Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 226 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 7 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

बस्तर पंडुम

बस्तर का उत्सव

भव्य शुभारंभ

दिनांक : 7 फरवरी 2026, शनिवार

स्थान : लालबाग मैदान, जगदलपुर

नैसर्गिक सुंदरता एवं समृद्ध जनजातीय संस्कृति से परिपूर्ण
बस्तर की पावन धरा पर माननीय राष्ट्रपति

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु जी

का

हार्दिक स्वागत, वंदन अभिनंदन

श्री विष्णु देव साय

माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

samvad- 46814/111

आयुक्त राजीव ने किया खुर्सीपार क्षेत्र का सघन निरीक्षण, जर्जर संरचनाओं के संधारण व नए प्रस्तावों के दिए निर्देश

भिलाई नगर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा आज जोन-4 खुर्सीपार क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक स्थलों, विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने सुपर बाजार, आई.टी.आई. ग्राउंड, बाल आश्रम और एसएलआरएम सेंटर सहित इस्पात क्लब का जायजा लिया और अधिकारियों को आवश्यक सुधार कार्यों के लिए निर्देशित किया।

होण्डा शोरूम के समीप स्थित सुपर बाजार के निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने पाया कि भवन काफी पुराना और जर्जर हो चुका है। आयुक्त ने जोन आयुक्त श्री अमरनाथ दुबे के साथ इस स्थल के बेहतर सदुपयोग पर चर्चा की और इसके पुनर्निर्माण या नवीन परियोजना के लिए शासन को प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिए।

आई.टी.आई. ग्राउंड के मुख्य प्रवेश द्वार के जर्जर होने पर आयुक्त ने नाराजगी जताई और तत्काल संधारण कराने के निर्देश दिए ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके।

आयुक्त ने बाल आश्रम का अवलोकन करने के साथ ही एसएलआरएम सेंटर के पास स्थित 'हमर क्लीनिक' की व्यवस्थाएं देखीं। नवनिर्मित एसएलआरएम सेंटर में चल रहे कार्यों का जायजा लेते हुए उन्होंने वहां कार्यरत महिला स्वच्छता कर्मियों से चर्चा की और उनका फीडबैक लिया।

? निरीक्षण के दौरान आयुक्त ने समीप स्थित इस्पात क्लब का भी अवलोकन किया। भवन की जर्जर स्थिति को देखते हुए उन्होंने इसके भविष्य के स्वरूप पर अधिकारियों से चर्चा की।

निरीक्षण के दौरान मुख्य रूप से जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे, कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा, सहायक राजस्व अधिकारी बालकृष्ण नायडू, जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी एवं अन्य निगम कर्मचारी उपस्थित रहे।

आयुक्त का संदेश: क्षेत्र की जर्जर हो चुकी संपत्तियों का संधारण हमारी प्राथमिकता है। सुपर बाजार जैसे महत्वपूर्ण स्थलों के सदुपयोग के लिए शासन को जल्द ही योजना भेजी जाएगी ताकि जनहित में इनका लाभ मिल सके।

स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में शामिल हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। सरगुजा जिले में उदयपुर ब्लॉक के रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल शामिल हुए। उन्होंने मितानिनों को सम्मानित करते हुए कहा कि मितानिन बहनें ग्रामीण एवं शहरी अंचलों में स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे सशक्त और भरोसेमंद कड़ी हैं। शासन की स्वास्थ्य एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचा रही मितानिन बहनें ग्रामीण स्वास्थ्य की धुरी हैं। सरकार आपके हर प्रयास के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

रामगढ़ में मितानिनों द्वारा आयोजित स्वास्थ्य पंचायत सम्मेलन में शामिल हुए पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवालसम्मेलन में ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया। उदयपुर विकासखंड की 59 ग्राम पंचायतों से 389 मितानिन, 20 मितानिन ट्रेनर, दो ब्लॉक को-आर्डिनेटर और पांच विकासखंड समन्वयक शामिल हुए। कार्यक्रम का लक्ष्य पंचायत स्तरीय स्वास्थ्य समस्याओं को उजागर कर संबंधित विभागों तक पहुंचाना था। मितानिनों ने अधिकारियों को क्षेत्रीय चुनौतियों से अवगत कराया, पंचायत प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य योजनाओं से जोड़ा तथा ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता व पोषण समिति को सक्रिय बनाने पर बल दिया। जिला समन्वयक अर्चना कुशवाहा ने बताया कि मितानिनें मातृ-शिशु स्वास्थ्य, पोषण व स्वच्छता के माध्यम से समुदाय सशक्त कर रही हैं। विकासखंड समन्वयक गायत्री श्रीवास्तव व मानकुंवर प्रजापति ने उनकी भूमिका को स्वास्थ्य तंत्र की मजबूत कड़ी बताया।इस वर्ष 85 स्वास्थ्य विभाग, 26 महिला-बाल विकास, 12 पीएचई, 12 खाद्य, 25 जनपद स्तर, 8 पुलिस, 5 विद्युत, 5 शिक्षा, 5 सेंट्रल बैंक व 7 विधायक स्तर के आवेदन प्राप्त हुए। मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने सभी पर तत्काल कार्रवाई का भरोसा दिलाया। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों की उपस्थिति ने आयोजन को और प्रभावी बनाया।

लक्ष्य बढ़ने के बावजूद नगर निगम दुर्ग की वसूली 48.78 प्रतिशत पहुँची

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम।आयुक्त सुमित अग्रवाल के सख्त दिशा-निर्देशों के परिणामस्वरूप नगर पालिक निगम दुर्ग के राजस्व विभाग द्वारा विगत वर्ष की तुलना में चालू वित्तीय वर्ष में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गई है। माह जनवरी 2026 तक राजस्व वसूली में 3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो विभाग की सक्रियता और अनुशासित कार्यप्रणाली को दर्शाती है।

लक्ष्य में वृद्धि के बावजूद वसूली प्रतिशत बेहतर विदित हो कि विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष राजस्व वसूली का लक्ष्य ?2549.08 करोड़ से बढ़ाकर ?3581.08 करोड़ निर्धारित किया गया है। इसके बावजूद जहां पिछले वर्ष इसी अवधि तक 45.02 प्रतिशत वसूली हुई थी, वहीं इस वर्ष 31 जनवरी 2026 तक 48.78 प्रतिशत राजस्व वसूली की जा चुकी है, जो एक बड़ी उपलब्धि है।योजनाओं में संलग्नता के बावजूद राजस्व में बढ़ोतरी

राजस्व विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी वर्तमान में शासन की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं में संलग्न हैं।इनमें निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार स्ढ्क्र कार्य, राशन कार्ड सत्यापन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन सत्यापन तथा श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत वार्डों में शिविर लगाकर नागरिकों को जानकारी देना शामिल है। इन सभी दायित्वों के बावजूद राजस्व वसूली में निरंतर वृद्धि दर्ज की गई है।बकाया वसूली अभियान से ऐतिहासिक परिणाम

नगर निगम दुर्ग द्वारा विगत 10 माह में बकाया राशि की वसूली पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप 31 जनवरी 2026 तक 190.917 प्रतिशत बकाया राजस्व वसूली की गई है, जो पूर्व वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28145/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 03-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28145
वार्ड का नाम- 3 - संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR104O0003H** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SUNIL KUMAR** पिता/पति, श्री/श्रीमती **NAVAL KISHOR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LAXMAN SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **DESHRAJ SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्र./27710/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 17-01-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27710
वार्ड का नाम-12 - कालीमाता वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 12 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR225G00024** जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ROSHAN LAL AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **S/O RAMCHARAN AGRAWAL** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **1. SMT. KUSUM LATA AGRAWAL W/O LATE. ROSHAN LAL AGRAWAL** पिता/पति श्री/श्रीमती **2. DEEPAK AGRAWAL 3. MAMTA AGRAWAL S/O LATE. ROSHAN LAL AGRAWAL** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत दानपत्र**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com

आम-सूचना

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनान्तर्गत **शंकर नगर, रायपुर** में स्थित भवन **क्र. एम.आई.जी.-33, सेक्टर-02, श्री पी. एम. जार्ज पिता श्री पी. टी. मथाई,** को इस कार्यालय के आबंटन आदेश क्र. **1044 दिनांक** 05.02.1987 के माध्यम से आबंटित है। वर्तमान में आबंटी **श्री पी. एम जार्ज पिता श्री पी. टी. मथाई,** की मृत्यु **दि.** 10.12.2022 को हो जाने के कारण उनके पुत्री **श्रीमती मर्सी एन्थोनी पति श्री पी. टी. एन्थोनी, निवासी एम.आई.जी.-33, सेक्टर-02, शंकर नगर, रायपुर (छ.ग.)** के द्वारा अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु निर्धारित आवेदन पत्र, शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, पंजीकृत वसीयतनामा की छायाप्रति, अन्य वारिसानों का सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज एवं मंडल अधिवक्ता के अभिमत के आधार पर उपरोक्त भवन को उनके पुत्री श्रीमती **मर्सी एन्थोनी पति श्री पी. टी. एन्थोनी,** के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अत: उक्त भवन के नामांतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक अथवा वित्तीय संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./ 28231/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 06-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28231
वार्ड का नाम- 68- डा. खूबचंद बघेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 68 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567C0396A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **SMT. RANU THAKRE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **RAVINDRA THAKRE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SHRADDHA KASHYAP** पिता/पति, श्री/श्रीमती **ROSHAN KASHYAP** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-5)
ईदगाहभाठा,नवीन पानी टंकी परिसर, रायपुर
Email ID - rmczone5@gmail.com

पत्र क्रं./28233/न.पा.नि./जोन क्रं.-5/2026
रायपुर दिनांक : 06-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28233
वार्ड का नाम- 67- भक्तमाता कर्मा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 67 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR567K0901A** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **RAMNATH TEMBHARE** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. NANHURAM TEMBHARE** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **ANITA SONI** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SHIROMANI SONI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 5
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 641 दिनांक 06.02.2026
वार्ड का नाम- कैलाश नगर वार्ड
वार्ड क्र. 21 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **21** मांग **पंजी क्र. 239 युआईडी 21977** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **मिथिला वर्मा / खोमलाल वर्मा** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **किशोर कुमार वर्मा / खोमलाल वर्मा** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **21-02-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 640 दिनांक 06.02.2026
वार्ड का नाम- मां दंतेश्वरी वार्ड
वार्ड क्र. 16 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **16** मांग **पंजी क्र. 68 युआईडी 16643** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **खोमिन बाई साहू / ईतवारी साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **राज कुमारी / स्व. महेत्तर साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **21-02-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला- रायपुर (छ.ग.)
Email :birgaonmcp@gmail.com,
Website : www.nagarnigambirgaon.com

-: निगम अभिलेखों में नामांतरण की सूचना :-
नामांतरण प्रकरण क्र. 639 दिनांक 06.02.2026
वार्ड का नाम- मां बंजारी माता वार्ड
वार्ड क्र. 14 वर्ष- 2025-26

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नानुसार भवन/भूमि जो कि निगम के संपत्ति कर मांग पंजी में वार्ड क्रमांक **14** मांग **पंजी क्र. 66 युआईडी 18156** अनुसार अधिभोगी का नाम श्री/श्रीमती **शत्रुहन साहू / तिलक राम साहू** से दर्ज है, श्री/श्रीमती **संजय साहू / शत्रुहन साहू** अधिभोगी के द्वारा रजिस्ट्री/ लिखत द्वारा/ वंशानुक्रम/ बिक्रीनामा आधार पर अधिभोग प्राप्त कर नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त अधिभोग परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो इस प्रकाशन के 15 दिन के भीतर/अथवा दिनांक **21-02-2026** तक प्रकरण क्रमांक सहित कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव में लिखित दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समयावधि पश्चात किसी भी प्रकार की कोई दावा-आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी। दावा-आपत्ति प्राप्त नहीं होने की स्थिति में अधिभोगी के द्वारा देय राशि भुगतान उपरांत अधिभोगी के पक्ष में नामांतरण की कार्यवाही की जावेगी।

राजस्व अधिकारी
नगर पालिक निगम, बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./28360/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 06-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28360
वार्ड का नाम-25 - संतराम दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 25 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818F00568** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **ANISHA BANO** पिता/पति, श्री/श्रीमती **MO. HUSEN** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **MINOR 1.HARSH YADAV 2.GOURAW YADAV** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O AMIT YADAV** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./28358/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 06-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28358
वार्ड का नाम-36 - तात्यापारा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR717D00332** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAKHAN LAL NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **LT. BABULAL NISAHD** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SURAJ NISHAD** पिता/पति, श्री/श्रीमती **S/O LATE LAKHAN LAL NISHAD** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **शपथ पत्र (मृत्यु प्रमाण पत्र)** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-7)
मंगलम काम्प्लेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर
E-mail ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्र./28350/ न.पा.नि./जोन क्र.-7/2026
रायपुर, दिनांक 06-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28350
वार्ड का नाम-24 - सरदार वल्लभाई पटेल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 24 स्थित/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR818E0524A** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **N. R. BUILDERS AND DEVELOPERS** पिता/पति, श्री/श्रीमती **BY SALAM MOHAMMED** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **PRIYANKA SAHU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **W/O BALLA SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-7
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /28193/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 04-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28193
वार्ड का नाम- 9 - पं. मोती लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 9 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. **RPR226T00199** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **SANTOSH ASSARIA S/O RAMNATH ASSARIA, LEENA ASSARIA W/O SANTOSH ASSARIA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SANTOSH ASSARIA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **नूपुर मजूमदार** पिता/पति, श्री/श्रीमती **अजय कुमार मजूमदार** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./28299/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 06-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28299
वार्ड का नाम- 58 श. पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- **RPR447B00072** जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती **MRS. SHEFALI KUNDU** पिता/पति, श्री/श्रीमती **SUNIL KUNDU** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **JYOTI JAIN** पिता/पति श्री/श्रीमती **W/O SURAJ JAIN** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख**/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-03, सेजबहार, रायपुर (छ.ग.), फोन नं.-0771-2991574
email Id- eocghbzone03@gmail.com

आम-सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सामान्य आवास योजनांतर्गत **बोरियाकला रायपुर** में स्थित भवन **क्रमांक सेडार-II/26, श्री खिमन कुमार मोटवानी पिता स्व. श्री मंघन मल मोटवानी,** के नाम पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन का पूर्ण मूल्य जमा कर अपने पक्ष में **दिनांक 09.09.2014** को सेलडीड पंजीकृत उपरांत आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है। आबंटी **श्री खिमन कुमार मोटवानी पिता स्व. श्री मंघन मल मोटवानी,** द्वारा **दिनांक** 20.06.2024 को हस्तांतरण विलेख (फ्री-होल्ड) निष्पादित करा लिया गया है हस्तांतरण विलेख निष्पादन उपरांत **श्री खिमन कुमार मोटवानी पिता स्व. श्री मंघन मल मोटवानी,** द्वारा उक्त भवन को क्रेता **श्री घनश्याम पटेल पिता स्व.श्री नौगडी, बरपारा, तहसील बसना, लोमशऋषि पटेल, निवासी-जिला-महासमुन्द, (छ.ग.)** के पक्ष में **दिनांक** 02.01.2026 को विक्रय कर दिया गया है। वर्तमान में नवीन **क्रेता श्री घनश्याम पटेल पिता स्व. श्री लोमशऋषि पटेल,** द्वारा उक्त भवन को फ्री-होल्ड पश्चात् अपने नाम पर मण्डल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं। ग्राम-

अत: उक्त भवन का फ्री-होल्ड उपरांत मण्डल अभिलेख में नाम दर्ज करने के संबंध में किसी व्यक्ति शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तीय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
प्रक्षेत्र-03, सेजबहार रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार अभनपुर
मामले की श्रेणीः राजस्व

सदर्भ - जिला रायपुर तहसील-अभनपुर प.ह.न.-00027
बेलभाठा ग्राम के नामांतरण
पंजी में पंजीबद्ध प्रकरण क्रमांक- RD 202526441630300019

इश्तिहार

तहसील अभनपुर के प.ह.न. 00027 के अतर्गत **ग्राम बेलभाठा** के वर्तमान **भूमिस्वामी कान्ता पिता/पति-पति जगन्नाथ जैन पता-सा0रायपुर** के द्वारा थारित भूमि खसरा **क्रमांक 396/52(0.0200)** में प्रस्तावित भूमिस्वामी/क्रेता **जगन्नाथ जैन पिता/पति-प्रहलाद जैन पता-महावीन नगर पुरैना रायपुर छ0ग0** के नाम पर पजीयन/फ़ौती होने के उपरांत नामांतरण / अभिलेख दुरुस्ती / खाता विभाजन के लिए प्रकरण अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में पंजी विचाराधीन है। इस प्रकरण की सुनवाई **दिनांक 17/02/2026** को समय सुबह 11 बजे स्थान न्यायालय न्यायालय तहसीलदार अभनपुर पर की जावेगी।

उपरोक्त के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो इश्तहार प्रकाशन उपरांत प्रकरण की आगामी सुनवाई के पूर्व या सनवाई के समय अपना दीवा आपत्ति स्थय / अधिवक्ता / आममुख्ल्यार के माध्यम से पेश कर सकते हैं। प्रकरण के सुनवाई के लिए निर्धारित तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

यह इश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज **दिनांक 02/02/2026** को जारी किस्म जाता है।

(मुहर)
तहसीलदार:
SITA SHUKLA

कार्यालय नगर पालिक निगम, जोन क्र. 06, रायपुर (छ.ग.)
- निविदा आमंत्रण सूचना :-

क्रमांक 57/न.पा.नि./ जोन क्रमांक 06/2025-26
रायपुर दिनांक 05/02/2026

नगर पालिक निगम, रायपुर जोन क्रमांक 06 द्वारा निम्न पवर्ग हेतु निर्धारित स्ढ्क्र(निविदा दिनांक तक सशोधित) पर लोक कर्म विभाग से पनीर रनिस्ट्रेशन की एवं जरासे ऊपर फर्म एवं संख्या एजेंसी से दो लिफाफा गढ़ति के अनुसार (लिभवफा "अ" में निविदा से संबंधित आवश्यक दस्ता में निविदा प्रपच) सील बंद निविदा पृथक-पृथक आमंत्रित की जाती है।

एव सबंधित कार्य का निविदा प्रपत्र प्राप्त करने हेतु **दिनांक 19/02/2026** तक निर्धारित राशि सहित आवेदन कार्यालयीन अवधि में जमा किया जा र निविदा प्रपत्र प्राप्त किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं निविदा हेतु आवश्यक दस्तावेज **दिनांक 20/02/2020** तक पंजीकृत डॉक / स्पीड पोस्ट के माध्यम साय 5:00 बजे तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त होना अनिवार्य है। प्राप्त निविदा **दिनाँक 27/02/2026** को **सुबह 11.30** बजे उपस्थित निविदाकक अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियो के समक्ष खोली-जावेगी। निविदा आमन्त्रित कार्य का विवरण निम्नानुसार है-

क्र.	कार्य का विवरण	निविदा का प्रकार	मद का नाम	अगणित राशि (लाख में)	अमानत राशि	प्रपत्र मूल्य मूल्य	एस ओ आर	समय अवधि
1	श.पंकज विक्रम वार्ड क्र. 50 अंतर्गत टैगोर नगर चीक बैंक ऑफबडौदा के सामने इंटरकनेक्शन एवं पाईप लाईन बिछाने का कार्य।	प्रथम	सधारण / जलकष्ट मद	152000.00	2000.00	300.00	PHE SOR **01.06.2020**	1 माह
2	जोन क्रमांक 06 अंतर्गत वार्ड क्र. 61, 62 एवं 65 में पाईप लाईन में हुए लिकेज का संधारण कार्य।	प्रथम	संधारण मद	397000.00	4000.00	750-00	PHE SOR **01.06.2020**	3 माह
3	जोन क्रमांक 06 के वार्ड क्र. 58 एवं 59 अंतर्गत विभिन्न स्थानो मे लगे सिंगल/थी फेस पावर पम्प को निकालकर आवश्यक रिपेयर कर पुन: डालने का कचर्य।	प्रथम	सधारण मद	398000.00	4000,000	730,00	PHE SOR **01.06.2020**	3 माह
4	जोन क्रमांक 06 के वार्ड क्र. 60 एवं 61 अंतर्गत विभिन्न स्थानां में लगे सिंगल थी फेस पावर पम्प को निकालकर आवश्यक रिपेयर कर पुन: डालने का कार्य।	प्रथम	सधारण मद	395000.00	400000	75000	PHE SOR **01.06.2020**	3 माह
5	डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 61 अंतर्गत सी.सी. रोड निर्माण सचिन जायसवाल के घर से नवीन साहू, के घर तक 800 गौटर, केलाबाड़ी रोड हनुमान याटिका भाठागांव रायपुर का कार्य।	प्रथम	विधायक निधि	500000.00	5000.00	750 00	PHE SOR **01.06.2020**	2 माह

कार्य के निविदा हेतु संलग्न की जाने वाली आवश्यक दस्तावेज निम्नानुसार है:-
लिफाफ "अ" में
(1) आयुणा नगर पालिक निगम रायपुर के नाम से देय अमानती राशि का एफ, की आर (निविदा खोलने तिथि तक वैद्य होना चाहिए) मूलप्रति।
(2) प्रस्तुत दस्तावेजों की सत्यता एवं काली सूची में न होने गायत् शपथ पत्र संलग्न करें।
(3) फर्म / एजेंसी के नाम का वैद्य पंजीयन एशी प्रति
4) बैंया साल्वेंसी की प्रति (8) जी.एस.टी. पंजीयन की प्रति (0) 3 वर्षों का ITR एवं निविदा तिथि से 3 माह पूर्व का त्तस्ञ्क्रकी प्रति।
(लिफाफा "ब" में (1) निविदा प्रपत्र
शतै: (1) उक्त लिफाफे रजिस्टर्ड डॉक / स्पीड पोस्ट से स्वीकार की जावेगी। (2) निविदा प्रपत्र प्राप्त करने तिथि में अवकाश होने पर आगामी तिथि को प्राप्त वका जा सकती है एवं निविदा जमा करने एवं खोलने के तिथि में अवकाश हो जाने पर आगामी कार्यालयीन दिवस में कार्य संपादित की जावेगी। (3) देवीयान कामे एप संस्था के द्वारा अंतिम भुगतान से पूर्व जी.एस.टी. विभाग से बनाया न होने संबंधी प्रमाण पत्र (Ta& Clearance Certificate) अथमा पूर्ण देय कर जमा किए जाने का प्रभाण पत्र प्रस्तुत किया जाना होगा।
(निविदा से संबंधित अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस में आकर प्राप्त की जा सकती है)

जोन कमिश्नर
जोन क्रमांक 06
नगर पालिक निगम, रायपुर

Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 226 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, शनिवार 7 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

कार्यक्रम के लिए 4.5 करोड़ से अधिक लोगों ने कराया था पंजीयन

पीएम मोदी ने की छात्रों के साथ 'परीक्षा पे चर्चा'

नई दिल्ली। 'परीक्षा पे चर्चा' का 9 वां संस्करण बड़े उत्सव की तरह मनाया जा रहा है. बच्चों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कई चीजें दीं- पीएम मोदी का स्केच, हैंड मेड बुके, पहाड़ में बनने वाली डोलची, त्रिपुरा से कोकोनट की लकड़ी से बना सितार, ऑर्गेनिक चाय (इस पर पीएम मोदी ने कहा कि चायवाले को चाय दे रहे हैं) और असम का गमोछा. पीएम मोदी के इस कार्यक्रम में छात्रों ने जिंदगी से जुड़े कई अहम सवाल किए. परीक्षा पे चर्चा 2026 में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि पढ़ाई के साथ-साथ मानसिक शांति भी जरूरी है. पीएम मोदी बच्चों को 'एग्जाम वॉरियर' बनने की सलाह देते हैं, जिसका मतलब है कि परीक्षा से डरना नहीं, बल्कि उसका बहादुरी से सामना करना है. पीएम मोदी की सलाह मानकर आप परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दे सकते हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'परीक्षा पर चर्चा' के नौवें संस्करण के दौरान देश भर के छात्रों से आत्मीय संवाद किया. लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित इस कार्यक्रम में पीएम ने न केवल परीक्षा के टिप्स दिए, बल्कि एक अभिभावक की तरह जीवन के गहरे पाठ भी पढ़ाए. उन्होंने नॉर्थ ईस्ट के गमछे के जरिए राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया और दिव्यांग छात्रों के प्रति अपनी संवेदनशीलता दिखाई.

पीएम मोदी के टॉप 5 'परीक्षा मंत्र'

- परीक्षा को उत्सव की तरह मनाएं.
- प्रतिस्पर्धा खुद से, न कि दूसरों से.
- डिजिटल फास्टिंग: तकनीक का सही उपयोग.
- मुश्किल काम पहले निपटाएं.
- एग्जाम वॉरियर बनें, रट्टू तोता नहीं.

'प्रधानमंत्री हूं, फिर भी लोग मुझे अलग-अलग तरीके से काम करने के लिए कहते हैं', पीएम मोदी ने छात्रों को दिया अध्ययन मंत्र

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में पहले अध्याय 'आपकी शैली, आपकी गति' पर चर्चा के दौरान गुजरात की एक छात्रा ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल किया। छात्रा ने पूछा कि परीक्षा के समय परिवार और शिक्षक सभी चिंता करते हैं। लेकिन समस्या तब आती है जब शिक्षक पढ़ाई का अलग पैटर्न समझाते हैं और अभिभावक अलग तरीके से पढ़ने के लिए कहते हैं, जबकि छात्रों का खुद का एक अलग पैटर्न होता है। इस पर पीएम मोदी ने कहा कि यह पैटर्न जीवनभर चलता है। पीएम मोदी ने उदाहरण देते हुए कहा, मैं प्रधानमंत्री बन गया हूं। फिर भी लोग मुझे अलग-अलग तरीकों से काम करने को कहते हैं। लेकिन सबका अपना-अपना तरीका होता है। बच्चों को उन्हीं के अंदाज में जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, जब परिवार के लोग एक साथ खाना खाने बैठते हैं तो सभी का खाने का पैटर्न अलग होता है। वह सब्जी के साथ खाने की शुरुआत करेगा, कोई दाल से करेगा और कोई दाल-सब्जी सब मिलाकर खाएगा। वहां जब वे अपने पैटर्न के हिसाब से खाते हैं तो उन्हें मजा आता है।

अंग्रेजों को धूल चटाकर अंडर-19 वर्ल्ड चैंपियन बनी टीम इंडिया

वैभव सूर्यवंशी ही नहीं कई खिलाड़ी रहे जीत के हीरो

हरारे। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हराकर छठा खिताब जीत लिया है। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव सूर्यवंशी की ऐतिहासिक 175 रनों की पारी की बदौलत 50 ओवर में 9 विकेट के नुकसान पर 411 रन बनाए। 412 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम 311 रन ही बना सकी और 100 रन से मुकाबला हार गई।

अंडर 19 वर्ल्डकप के खिताबी मुकाबले में इंग्लैंड की यह दूसरी हार है, जबकि भारतीय टीम का यह 11वां फाइनल था और उसने छठी बार ट्रॉफी अपने नाम की। इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और आरोन जॉर्ज सिर्फ 9 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और कप्तान आयुष म्हात्रे ने पहले संभलकर बल्लेबाजी की और फिर अंग्रेज गेंदबाजों की धज्जियां उड़ानी शुरू कर दीं। आयुष म्हात्रे 19वें ओवर की आखिरी गेंद पर आउट हुए, जब उनका स्कोर 53 रन था। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी ने शतक जड़ा। तब तक भारतीय टीम 26 ओवर में ही 250 रन के पार पहुंच चुकी थी।

यहां से साफ लगने लगा था कि भारतीय टीम आसानी से 400 रन के स्कोर को पार कर लेगी, और ऐसा ही हुआ। वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा, अभिज्ञान कुंडू और कनिष्क चौहान की अहम पारियों की बदौलत भारतीय टीम 50 ओवर में 411 रन के विशाल स्कोर तक पहुंच गई। यह वर्ल्ड कप इतिहास के फाइनल का सबसे बड़ा स्कोर है। इसी मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने 175 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली, जो फाइनल में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी भी है। उन्होंने अपनी पारी में 15 चौके और 15 छक्के लगाए, जहां उन्होंने 218 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की।

फाइनल में चमके ये खिलाड़ी

खिताबी मुकाबले में सिर्फ वैभव सूर्यवंशी ही नहीं, बल्कि आयुष म्हात्रे, वेदांत त्रिवेदी, विहान मल्होत्रा और अभिज्ञान कुंडू ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। इसके अलावा आखिर में कनिष्क चौहान ने ताबड़तोड़ 37 रन बनाए। गेंदबाजी के दौरान अंबरीश ने तीन विकेट चटकाए, जबकि दीपेश देवेंद्र और कनिष्क चौहान ने 2-2 विकेट हासिल किए।

बीएसएफ केवल सीमा रक्षक नहीं, आपदा में भी ढालः अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले के हिरानगर क्षेत्र में स्थित बोबिया सीमा चौकी (बीओपी) का दौरा कर सीमा सुरक्षा बल के जवानों के साहस, समर्पण और बलिदान को सलाम किया। इस दौरान उन्होंने वर्चुअल माध्यम से सीमा रक्षकों के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। अमित शाह ने बीएसएफ जवानों को संबोधित करते हुए कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा में बीएसएफ हमेशा दीवार बनकर खड़ा रहा है। जब-जब देश की सीमाओं पर अतिक्रमण की कोशिश हुई, बीएसएफ ने पूरी मजबूती के साथ उसका सामना किया।

गृह मंत्री ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी बीएसएफने एक स्वर्णिम अध्याय लिखा है और हर मोर्चे पर अपनी वीरता और पराक्रम का प्रमाण दिया है। पंजाब में आई भीषण बाढ़ का जिक्र करते हुए अमित शाह ने कहा कि उस कठिन समय में भी बीएसएफके जवानों ने न केवल सीमा की सुरक्षा की।

विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 9 फरवरी तक स्थगित

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के लगातार हंगामे के चलते शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और बाद में पूरे दिन के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की अगली कार्यवाही अब सोमवार, 9 फरवरी को सुबह 11 बजे पुनः शुरू होगी। सदन की कार्यवाही पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होते ही प्रश्नकाल के दौरान विपक्षी सदस्यों ने नारेबाजी शुरू कर दी और हाथों में प्लेकार्ड लेकर सदन के बीचोंबीच आ गए। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा कि बजट सत्र में अब तक सदन के 19 घंटे 13 मिनट हंगामे की भेंट चढ़ चुके हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा- 'ऐसे सदन को चलाना संभव नहीं'

अध्यक्ष ने कहा कि प्रश्नकाल सभी सदस्यों का समय होता है और जनता ने सांसदों को चर्चा और संवाद के लिए भेजा है, न कि पोस्टर और नारेबाजी के लिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि नियोजित तरीके से गतिरोध पैदा कर सदन की मर्यादा समाप्त की जाती है, तो ऐसे सदन को चलाना संभव नहीं है। अध्यक्ष के बार-बार आग्रह के बावजूद हंगामा नहीं थमने पर सदन की कार्यवाही पहले 12 बजे तक स्थगित की गई। दोपहर में कार्यवाही पुनः शुरू होने पर भी विपक्ष का शोर-शराबा जारी रहा। पीठासीन सदस्य कृष्ण प्रसाद तेन्नेटी ने बताया कि स्थगन प्रस्ताव की किसी भी सूचना को अध्यक्ष ने अनुमति नहीं दी है। नारेबाजी के बीच स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा सहित कई मंत्रियों ने सभा पटल पर प्रस्ताव रखे। पीठासीन अधिकारी ने विपक्षी सदस्यों से अपील की कि बजट पर चर्चा के दौरान वे अपने सभी विषय उठा सकते हैं और कार्यवाही को बाधित न करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि सदन में प्लेकार्ड लाना नियमों के विरुद्ध है।

बस्तर पण्डूम 2026 की तैयारियों का उप मुख्यमंत्री शर्मा ने लिया जायजा

रायपुर (विश्व परिवार)। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय बस्तर पण्डूम 2026 कार्यक्रम की तैयारियों का उप मुख्यमंत्री एवं जिला प्रभारी मंत्री विजय शर्मा ने आज निरीक्षण कर जायजा लिया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कार्यक्रम स्थल का भ्रमण कर आयोजन की व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न स्टॉलों में प्रदर्शित बस्तर की पारंपरिक कला, संस्कृति एवं स्थानीय उत्पादों का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए, ताकि आयोजन भव्य, सुव्यवस्थित और जनसहभागिता से परिपूर्ण हो।

अग्नि-3 बैलिस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण से भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती

नई दिल्ली। भारत ने अपनी रक्षा ताकत को और मजबूत करते हुए अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह परीक्षण 6 फरवरी को ओडिशा के चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से किया गया। इस टेस्ट में मिसाइल ने तय योजना के मुताबिक अपने मिशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, परीक्षण के दौरान अग्नि-3 इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइल के सभी तकनीकी और ऑपरेशनल पैरामीटर पूरी तरह सफल रहे।

यह लॉन्च स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की निगरानी में किया गया, जो भारत की सामरिक सैन्य क्षमता की जिम्मेदारी संभालती है। शुक्रवार को किए गए इस परीक्षण से यह स्पष्ट है कि भारत की स्ट्रैटेजिक डिटरेंस क्षमता पूरी तरह मजबूत और भरोसेमंद है। अग्नि मिसाइल प्रणाली भारतीय रक्षा प्रणाली का एक प्रमुख हिस्सा है। इससे पहले भी भारत ने अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया था। बीते वर्ष अत्याधुनिक मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल अग्नि-5 का परीक्षण किया गया था, जिसे देश की मिसाइल क्षमता में बड़ी उपलब्धि माना गया। अग्नि-5 बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण भी ओडिशा के इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज, चांदीपुर से स्ट्रैटेजिक फोर्सेज कमांड की देखरेख में ही किया गया था।

बांग्लादेश : 10 साल से ज्यादा न हो पीएम का कार्यकाल

ढाका। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने के बाद अब तक आम चुनाव नहीं हुआ हैं. मोहम्मद यूनुस बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार के रूप में कार्यरत हैं और अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं. 12 फरवरी को सदस्यों को चुनने के लिए चुनाव होंगे. इससे पहले बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने मैनिफेस्टो जारी कर दिया है. बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी पार्टी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने इस मैनिफेस्टो का अनावरण करते हुए पावर स्ट्रक्चर और फारेन पालिसी में बड़े और महत्वपूर्ण बदलावों का वादा किया है. बीएनपी के मैनिफेस्टो में सबसे अहम प्रस्ताव उपराष्ट्रपति पद बनाने को लेकर है. पार्टी का मानना है कि यह पद बनाया जाता है तो गवर्नेंस सिस्टम में बैलेंस आएगा और डेमोक्रेटिक फ्रेमवर्क को मजबूती मिलेगी. इसके अलावा, प्रधानमंत्री के कार्यकाल को ज्याजा से ज्यादा दस सालों तक सीमित करने का प्रस्ताव भी रखा गया है, ताकि सत्ता का सेंट्रलाइजेशन रोका जा सके और पॉलिटिकल सिस्टम में ट्रांसपरेंसी और जवाबदेही तय हो सके. विदेश नीति को लेकर बीएनपी ने साफ़ तौर पर कहा है कि उनकी पॉलिसी बांग्लादेश फर्स्ट के सिद्धांत पर आधारित होगी.

पाकिस्तानः जुमे की नमाज के दौरान बम ब्लास्ट, 31 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान एक शिया इमामबाड़गाह में भीषण सुसाइड बॉम्बिंग हुई, जिसमें कम से कम 31 लोगों की मौत हो गई और 169 से ज्यादा घायल हुए। घटना तरलाई कलां इलाके में स्थित खदीजतुल कुबरा इमामबाड़गाह में हुई। पुलिस ने इसे स्पष्ट रूप से एक सुसाइड अटैक करार दिया है। आंखों देखी गवाही और पुलिस सूत्रों के अनुसार, एक सुसाइड बॉम्बर इमामबाड़गाह के मुख्य गेट पर पहुंचा। वह अंदर घुसने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सिक्योरिटी वॉलंटियर्स और गार्ड्स ने उसे रोक लिया। रोकने पर उसने खुद को धमाका कर दिया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि इमामबाड़गाह की खिड़कियां चूर-चूर हो गईं, आसपास के घरों को नुकसान पहुंचा और मौजूद नमाजियों में भगदड़ मच गई।

पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़, अब तक 3 ढेर

गढ़चिरौली। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले के अबूझमाड़ के जंगलों में चल रहे अभियान के दौरान शुक्रवार सुबह दो अन्य माओवादियों के शव बरामद किए गए हैं। इनमें एक पुरुष और एक महिला माओवादी शामिल हैं। इसके साथ ही पुलिस ने मौके से दो हथियार भी बरामद किए हैं। इससे पहले एक माओवादी की मौत हो चुकी थी, जिसके बाद अब तक कुल तीन माओवादी ढेर हो चुके हैं। मौके से पुलिस ने एक एके-47 और एक एसएलआर राइफल भी जब्त किए हैं। हालांकि, तीनों माओवादियों की पहचान अभी तक नहीं हो सकी है।

गढ़चिरौली पुलिस और नक्सलियों के बीच यह मुठभेड़ महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर पिछले दो दिनों से चल रही थी। जंगल के घने इलाकों में चल रहे इस ऑपरेशन में सुरक्षा बलों ने काफी सतर्कता दिखाई। अभियान के दौरान सी-60 जवान दीपक चिन्ना मडावी (38), जो अहेरी के निवासी थे और मूल रूप से मांडरा, दामरांचा, तालुका अहेरी से थे, गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें एयरलिफ्ट करके अबूझमाड़ से उपजिला अस्पताल भामरागड लाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी गंभीर चोटों के कारण उनका निधन हो गया। इस अभियान में एक अन्य जवान, जोगा मडावी, निवासी किष्टयापल्ली, रात के दौरान गोली लगने से घायल हो गए।

'बस्तर पंडुम', आदिवासी संस्कृति और परंपराओं का दिखेगा अद्भुत संगम, बस्तर में 7 फरवरी से शुरू होगा रंगारंग भव्य मेला कार्यक्रम

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर सिर्फ माओवाद और उससे होने वाली हिंसा के लिए नहीं जाना जाता, बल्कि बस्तर अपनी प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक पहचान के लिए भी जाना जाता है. इसी कड़ी में, बस्तर की माटी की खुशबू और यहां की समृद्ध जनजातीय संस्कृति एक बार फिर विश्वपटल पर अपनी छाप छोड़ने को तैयार है. आने वाले 7 से 9 फरवरी तक आयोजित होने वाले संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 2026 को लेकर अंचल के निवासियों में अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिल रहा है. इस वर्ष के आयोजन ने लोकप्रियता के पुराने सभी पैमाने ध्वस्त कर दिए हैं. यह केवल एक प्रतियोगिता न रहकर अब लोक संस्कृति के एक विशाल उत्सव का रूप ले चुका है. आंकड़ों पर नजर डालें तो यह आयोजन इस बार एक ऐतिहासिक कीर्तिमान स्थापित कर रहा है.

साल 2025 में विकासखंड स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं में 15,596 प्रतिभागियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई थी. वहीं इस वर्ष यह आंकड़ा सातों जिलों में तीन गुना से भी अधिक बढ़कर 54,745 तक पहुंच गया है. प्रतिभागियों की संख्या में आया यह भारी उछाल साफबताता है कि बस्तर के लोग अपनी जड़ों, परंपराओं और लोक कलाओं को सहेजने के लिए कितने जागरूक और उत्साहित हैं. विशेष रूप से दन्तेवाड़ा जिले ने 24,267 पंजीयन के साथ पूरे संभाग में सर्वाधिक भागीदारी का रिकॉर्ड बनाया है. जिसके बाद कांकेर, बीजापुर और सुकमा जैसे जिलों ने भी हजारों की संख्या में अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई.

बस्तर पंडुम को लेकर सभी की निगाहें 7 से 9 फरवरी के बीच होने वाली संभाग स्तरीय प्रतियोगिताओं पर टिकी हैं. जिलास्तर की कड़ी प्रतिस्पर्धा से जीत कर आए 84 दल और उनके 705 चयनित कलाकार इस दौरान अपनी कला का जादू दिखाएंगे.

राष्ट्रपति मुर्मु करेंगी शुभारंभ

राष्ट्रपति श्रीमती द्रोपदी मुर्मु आदिवासी संस्कृति का महाकुंभ 'बस्तर पण्डुम-2026' का शुभारंभ करेंगी। संभाग स्तरीय बस्तर पण्डुम 9 फरवरी तक आयोजित होगा। जनजातीय समाज के इस तीन दिवसीय सांस्कृतिक महाकुंभ जनजातीय जीवनशैली, मान्यताओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत सहेजने और प्रदर्शित करने का पर्व है। बस्तर पण्डुम लोककला और संस्कृति तथा स्थानीय परंपराओं से जुड़ा उत्सव है। यह उत्सव बस्तर जनजातीय बस्तर पण्डुम जानजातीय समुदाय की पहचान, गौरव और उनकी समृद्ध परंपरा को प्रोत्साहित करने वाला एक महत्वपूर्ण मंच है। इस उत्सव के माध्यम से बस्तर अंचल की सांस्कृतिक को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलेगी। छत्तीसगढ़ शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जनजातीय एवं लोक संस्कृति महोत्सव बस्तर पंडुम 2026 का शुभारंभ समारोह 7 फरवरी 2026 को सुबह 11 बजे जगदलपुर में होगा। समारोह की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रमेन डेका करेंगे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 07 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

रणनीतिक शक्ति अभाव का शिकार

आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि मौजूदा चुनौतियों के बरक्स राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। साल 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण में सरकार ने माना है कि भारतीय रुपया बदलती भू-राजनीतिक परिस्थितियों के बीच रणनीतिक शक्ति के अभाव का शिकार बना है। 2025 में रुपये की तुलना में डॉलर छह प्रतिशत महंगा हुआ। ऐसा उस समय हुआ, जब खुद डॉलर का भाव प्रमुख मुद्राओं (यूरो, येन, स्विस फ्रैंक आदि) के बास्केट की तुलना में करीब 11 फीसदी गिरा। केंद्र के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन की देखरेख में तैयार सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है कि सेवा क्षेत्र में व्यापार लाभ और विदेश स्थित भारतीयों की तरफ से कमा कर भेजी गई रकम रुपये को सहारा देने में नाकाफी साबित हुए हैं। ये चालू खाता के घाटे की भरपाई नहीं कर पाए। जो देश ऐसे घाटे में हैं, उनकी मुद्राओं की कमजोरी खासकर भू-राजनीतिक बदलाव के दौर अधिक उभर कर सामने आई है। दूसरी तरफ जिन देशों ने मैनुफैक्चरिंग का मजबूत आधार तैयार किया, उनकी मुद्राएं स्थिर और मजबूत बनी हुई हैं। मगर इस बिंदु पर भारत की मौजूदा कमजोरी का ठोस जायजा पेश करने के बजाय रिपोर्ट अतीत की आड़ लेती मालूम पड़ी है। कहा है कि मैनुफैक्चरिंग में मजबूत देशों ने इसका आधार तब तैयार किया, जब परिस्थितियां अनुकूल थीं। यह मुद्दा प्रासंगिक है कि उस दौर में भारत ऐसा आधार तैयार करने से क्यों चूक गया। मगर यह प्रश्न भी उतना ही उचित है कि क्या उसका रोना रोते रहना समाधान है? यह अच्छी बात है कि रिपोर्ट में सरकार की भूमिका पर जोर दिया गया है। कहा गया है कि मौजूदा सवालों का जवाब ढूंढने के लिए राज्य को अलग ढंग से संगठित एवं सक्षम बनना होगा। साथ ही कॉरपोरेट सेक्टर को उसमें बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। परंतु ऐसा कैसे और कब होगा, असल मुद्दा यह है। जिन भू-राजनीतिक बदलावों की बात की गई है, वे अब ठोस शक्ल ले रही हैं। मगर ऐसा होने के संकेत कई वर्षों से मिल रहे थे। उस समय दूरदृष्टि दिखाई गई होती, तो वर्तमान चुनौतियों का बेहतर मुकाबला किया जा सकता था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि नीति-निर्माण के सर्वोच्च स्तर अब भी उसका अभाव ही नजर आता है।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता: मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता....

■ भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता: विश्व के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्र का निर्माण

श्री राजेश अग्रवाल

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की। एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे। सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता: भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है। इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है। उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं। इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है। वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना: समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापार मूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत नि:शुल्कच प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकला और समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि, भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है। सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है, जिसमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणालियों जैसे यूपीआई में तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग शामिल है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है। मुक्त और न्यायसंगत व्यापार को बढ़ावा देना: मुक्त व्यापार समझौता दो बड़े बाजारों के बीच मुक्त, न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। व्यापार और सतत विकास अध्याय सतत विकास संबंधी चिंताओं के संदर्भ में सहयोग का एक नया मॉडल प्रस्तुत करता है। यह अध्याय दोनों पक्षों के श्रम या पर्यावरण मानकों में तालमेल बिठाये बिना दोनों पक्षों के व्यापार संबंध में सतत विकास के उद्देश्य को समग्र रूप से एकीकृत करता है। इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं। असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया। भारत की एफ्टीए रणनीति का पूरक: आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफ्टीए, ईएफ्टीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। जैसा कि आर्थिक इतिहासकार उल्लेख करते हैं, आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

(लेखक वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग के सचिव हैं।)

आलेख

भारत को आत्मनिर्भर होना होगा

हरिशंकर व्यास

जैसे ही यूरोपीय संघ के साथ एक व्यापार संधि फाइनल होने की बात आई वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी भारत की और नरेंद्र मोदी की खूब तारीफ की। कहा कि जल्दी ही दोनों देशों के बीच एक अच्छी व्यापार संधि होगी। यह भारत के लिए आदर्श स्थित है कि वह भयंकर व्यापार घाटे वाले देश से व्यापार मुनाफे वाले देश में अपने को बदले। लेकिन इसके लिए ऐतिहासिक रूप से भारत ने तैयारी नहीं की। हमारे यहां इस बात पर पीठ थपथपाई जा रही है कि भारत सबसे ज्यादा मोबाइल हैंडसेट निर्यात करने वाला देश बन गया है। सोचें, यह क्या उपलब्धि हुई? भारत अपना एक भी हैंडसेट नहीं बनाता था। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के समय भारत की घरेलू हैंडसेट कंपनियां लावा और माइक्रोमैक्स का भारत के बाजार पर कब्जा था। लेकिन दो साल के भीतर ये कंपनियां गायब हो गई हैं और चीन की मोबाइल कंपनियों ने भारत के बाजार पर कब्जा कर लिया। भारत आज अमेरिका कंपनी एपल के आईफोन और दक्षिण कोरिया की कंपनी सैमसंग के हैंडसेट असेंबल करता है और उन्हें दुनिया के देशों में बेचा जाता है। सोचें, इसमें भारत के कुछ लोगों को नौकरी मिली है, इसके अलावा भारत को क्या हासिल हो रहा है! असल में भारत असेंबलिंग का सेंटर बनता जा रहा है। दुनिया की कंपनी भारत में सस्ता श्रम और दूसरी चीजें हासिल कर रही हैं और अपना उत्पाद असेंबल करके दुनिया में बेच रही हैं। भारत के पास न तो अपनी तकनीक है और न अपना कोई उत्पाद है। तभी इस बात की आशंका है कि दुनिया के देशों के साथ मुक्त व्यापार की संधि होने के बाद भारत का व्यापार घाटा कहीं और न बढ़ जाए। अभी अकेले चीन के साथ एक सौ अरब डॉलर यानी करीब नौ लाख करोड़ रुपए का व्यापार घाटा है। दुनिया के चुनिंदा देशों के साथ ही भारत व्यापार में मुनाफा कमाता है। अमेरिका उनमें से एक है। अगर भारत अपने यहां विनिर्माण सेक्टर को मजबूत नहीं करेगा, उत्पादन नहीं शुरू करेगा, शोध व विकास पर खर्च करके नई चीजें बनाना नहीं शुरू करेगा तो क्या बेचेगा? दुनिया के देशों के पास तो बेचने के लिए बहुत सारी चीजें हैं। भारत तो दूसरे देशों से खरीद कर बेचने वाला देश बन गया है। यहां बनना कैसे शुरू होगा? पहले जो लघु व कुटीर उद्योग भारत में चलते थे उनमें से ज्यादातर बंद हो गए। छोटी छोटी फैक्टरी चलाने वाले सारे लोग व्यापारी बन गए। वे चीन या दूसरे देशों में जाकर सामान लाते हैं और भारत में बेचते हैं। जब तक निर्माण का काम शुरू नहीं होगा, तब तक व्यापार संधियों का बहुत लाभ भारत को नहीं मिलेगा। इसके लिए भारत को पहले अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भर होना होगा। जैसे हरित क्रांति से अनाज के मामले में और श्वेत क्रांति से दूध के मामले में भारत आत्मनिर्भर हुआ वैसे ही किसी क्रांति के जरिए चीन के ऊपर से निर्भरता हटानी होगी और तब दुनिया को निर्यात करने के बारे में सोचना होगा।

एक दशक में बनाई पूंजी पीके ने बिहार में गंवा दी

अजीत द्विवेदी

सबसे पहले तो यह समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने बिहार में क्या गंवाया है? वे मानें या नहीं मानें लेकिन एक कुशल चुनाव प्रबंधक के रूप में एक दशक में बनाई गई अपनी पूंजी उन्होंने बिहार में गंवा दी है। उनके दो सौ या चार सौ करोड़ रुपए खर्च हुए वह उनका बड़ा नुकसान नहीं है। उनकी पार्टी अपना पहला चुनाव बुरी तरह से हारी यह भी कोई बड़ी बात नहीं है। ऐसे तमाम उदाहरण हैं, जब पार्टियां पहले चुनाव में बहुत खराब करने के बाद धीरे धीरे मजबूत होती गईं और बहुत बड़ी बन गईं। बिहार में नीतीश कुमार की बनाई समता पार्टी, जिसे अब जनता दल यू के नाम से जाना जाता है या उत्तर प्रदेश में कांशीराम की बनाई बहुजन समाज पार्टी इसकी मिसाल हैं। दोनों पार्टियों की शुरुआत बहुत खराब हुई थी। लेकिन दोनों के नेताओं को पता था कि उनका आइडिया और आइडियोलॉजी दोनों सही हैं। इसलिए दोनों मैदान में डटे रहे और राजनीतिक व चुनावी दोनों सफलता हासिल की। इसलिए प्रशांत किशोर का पहला चुनाव हार जाना उनके राजनीतिक करियर का पूर्णविराम नहीं है। उनके लिए असली चुनौती यह है कि राजनीतिक प्रबंधक के तौर पर जो पूंजी उन्होंने बिहार में गंवाई है उसे कैसे हासिल करेंगे? अगर वे फिर से अपनी उस पूंजी को, उस साख को वापस हासिल कर लेते हैं और बिहार में डटे रहते हैं तो निश्चित रूप से कामयाब होंगे। इसके लिए वे क्या करेंगे, यह उनको शायद ही कोई समझा सकता है। वे खुद समझदार हैं और राजनीति व चुनाव की बारीकियों को बखूबी जानते हैं। वे देश के राजनीतिक इतिहास से भी परिचित हैं। इसलिए उनको पता है कि बिहार में 1995 के विधानसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद नीतीश कुमार ने कैसी राजनीति की थी। उनको यह भी पता है कि 1984 में बसपा बनाने वाले कांशीराम ने 1989 के विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बहुत खराब प्रदर्शन करने के बाद क्या किया था। 1995 में नीतीश कुमार की पार्टी को 324 में से सिर्फ पांच सीटें मिली थीं। इसी तरह 1989 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बसपा को 425 में सिर्फ 13 सीट मिली थी, जो अगले चुनाव यानी 1991 में घट कर 12 हो गई लेकिन उसके दो साल बाद 1993 के मध्यावधि चुनाव में सपा से तालमेल करके बसपा ने 67 सीटें जीतीं और उसी विधानसभा में 1995 में मायावती पहली बार 137 दिन के लिए मुख्यमंत्री बनीं। सो, प्रशांत किशोर के लिए राजनीति का रास्ता साफ है। उनके सामने नीतीश कुमार और कांशीराम दोनों का मॉडल है। नीतीश कुमार की समता पार्टी ने 1995 की हार के बाद भाजपा के साथ तालमेल किया और लालू प्रसाद को सत्ता से हटाने के लिए राजनीति की, जिसमें निर्णायक कामयाबी 2005 के अक्टूबर में मिली। यानी पार्टी बनाने के 10 साल बाद। इसी तरह कांशीराम ने बहुजन की सत्ता स्थापित करने के लिए 1984 में बसपा बना कर राजनीति शुरू की तो 11 साल बाद 1995 के जून में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने में कामयाब हुए। इसके लिए उनको समाजवादी पार्टी से तालमेल करना पड़ा। उनका सूत्र वाक्य था पहला चुनाव हारने के लिए, दूसरा चुनाव हराने के लिए और तीसरा जीतने के लिए। तीसरे चुनाव में उनको जीत मिली थी हालांकि वह निर्णायक नहीं थी। निर्णायक जीत मिली 2007 में जब बसपा ने अकेले दम पर उत्तर प्रदेश विधानसभा में बहुमत हासिल किया। सो, जाहिर है कि राजनीति में निरंतरता और समान या असमान विचार वाले दलों के साथ गठबंधन सबसे महत्वपूर्ण है। तभी प्रशांत किशोर के कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा से मिलने की खबर को उनकी राजनीति के अगले कदम के तौर पर देखा जा सकता है। ध्यान रहे प्रशांत किशोर ने एक समय कांग्रेस पार्टी में शामिल होकर देश की सबसे पुरानी पार्टी को उसका गौरव लौटाने की योजना पर काम करना चाहा था। उन्होंने लंबा चौड़ा प्रजेंटेशन कांग्रेस नेतृत्व के सामने रखा था। आधे अधूरे तरीके से कुछ प्रस्तावों को कांग्रेस ने आजमाया भी। लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के असुरक्षा भाव और प्रशांत किशोर की अति महत्वाकांक्षा के कारण दोनों की बात नहीं बनी। अब फिर दोनों नजदीक आ रहे हैं तो नए किस्म के गठबंधन की आहट सुनाई दे रही है। ध्यान रहे बिहार में हमेशा एक तीसरी ताकत की गुंजाइश है। नीतीश कुमार के उदय से पहले बिहार में कांग्रेस के मुकाबले समाजवादी पार्टियों के साथ साथ भाजपा और कम्युनिस्ट पार्टियां मजबूती से चुनाव लड़ती थीं। धीरे धीरे बिहार की राजनीति दो ध्रुवीय हो गई। प्रशांत किशोर और कांग्रेस अगर तीसरी ताकत बनने की राजनीति करते हैं तो बिहार का राजनीतिक परिदृश्य दिलचस्प होगा। ध्यान रहे अगले कुछ महीनों या बरसों में बिहार की राजनीति में गुणात्मक परिवर्तन होगा। नीतीश कुमार और लालू प्रसाद के राजनीतिक परिदृश्य से विदा होने के बाद बिहार की राजनीति वैसी ही नहीं रह जाएगी, जैसी पिछले 35 साल से है। उस समय कांग्रेस और प्रशांत किशोर दोनों के लिए बड़ा अवसर बनेगा। लेकिन उससे पहले प्रशांत किशोर को चुनाव प्रबंधक और राजनीतिक गुरू के तौर पर अपनी खोई हुई साख को वापस हासिल करना होगा। इस साल होने वाला पांच राज्यों का चुनाव उनके लिए परफेक्ट मौका है। उनकी पुरानी कंपनी आईपैक का करार अब भी ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के साथ है। हालांकि आईपैक के साथ अब उनका जुड़ाव नहीं है। लेकिन उन्होंने तमिलनाडु में फिल्म स्टार विजय की पार्टी टीवीके से करार किया है और उनको चुनाव लड़वा रहे हैं। गौरतलब है कि 2021 में ममता बनर्जी की जीत ने प्रशांत किशोर को सबसे बड़ा सुपरस्टार बनाया था। उन्होंने दावा किया था कि भाजपा एक सौ सीट तक नहीं पहुंचेगी और भाजपा सचमुच 77 सीट पर रह गई। अब उनके लिए यह मौका तमिलनाडु में बन सकता है। अगर तमिलनाडु में त्रिशंकु विधानसभा बनती है और विजय की ऐसी हैसियत होती है कि उनके बगैर सरकार न बने तो वह भी पीके के लिए बूस्टर डोज साबित हो सकता है। टीवीके और कांग्रेस के बीच गठबंधन की चर्चा होना भी प्रशांत किशोर की राजनीति का असर हो सकता है।

तेल के खेल में मोदी के आगे कोई नहीं टिक सकता

नीरज कुमार दुबे

सूत्रों के अनुसार अमेरिका ने भारत को संकेत दिया है कि वह शीघ्र ही वेनेजुएला से तेल खरीद दोबारा शुरू कर सकता है ताकि रूसी कच्चे तेल पर निर्भरता घटे। यह पहल भारत अमेरिका ऊर्जा संबंधों को नए सांचे में ढालने की अमेरिकी कोशिश का हिस्सा है। भारत और वेनेजुएला के बीच कूटनीति ने अचानक तेज रफ्तार पकड़ ली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज के बीच हुई टेलीफोन वार्ता ने वैश्विक ऊर्जा राजनीति में जबरदस्त हलचल पैदा कर दी है। माना जा रहा है कि दोनों नेताओं के बीच हुई इस वार्ता का सीधा संबंध तेल से है और इसका परोक्ष असर भारत रूस निर्भरता घटाने, अमेरिका से व्यापारिक दबाव कम करने और ग्लोबल साउथ में भारत की रणनीतिक स्थिति मजबूत करने से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार अमेरिका ने भारत को संकेत दिया है कि वह शीघ्र ही वेनेजुएला से तेल खरीद दोबारा शुरू कर सकता है ताकि रूसी कच्चे तेल पर निर्भरता घटे। यह पहल भारत अमेरिका ऊर्जा संबंधों को नए सांचे में ढालने की अमेरिकी कोशिश का हिस्सा है। रिपोर्टों के मुताबिक आने वाले महीनों में भारत रूसी तेल आयात में प्रतिदिन कई लाख बैरल की कटौती कर सकता है। इस कूटनीतिक पृष्ठभूमि में डेल्सी रोड्रिगेज ने प्रधानमंत्री मोदी से वार्ता के बाद ऊर्जा सहयोग पर सहमति की पुष्टि की। प्रधानमंत्री ने भी सार्वजनिक संदेश में कहा कि दोनों देश द्विपक्षीय साझेदारी को सभी क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक ले जाने की साझा दृष्टि रखते हैं। हम आपको बता दें कि यह वार्ता ऐसे समय हुई है जब वेनेजुएला ने अपने हाइड्रोकार्बन क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडारों वाला देश है। दशकों तक कठोर सरकारी नियंत्रण के बाद अब कानूनों में व्यापक सुधार किए गए हैं। खोज, उत्पादन, वितरण और विपणन में निजी भागीदारी को अनुमति दी गई है। कर और रॉयल्टी घटाई गई हैं, बड़े प्रोजेक्ट के लिए शुल्क और कम किए जा सकते हैं और विवादों में अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता का रास्ता खोला गया है। इस तरह यह बदलाव कर पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के दौर की राष्ट्रीयकरण नीति को पलट दिया गया है। अमेरिका ने भी जवाबी कदम उठाते हुए वेनेजुएला को प्रतिबंधों में ढील दी है। नया सामान्य लाइसेंस अमेरिकी कंपनियों को

वेनेजुएला के तेल के निर्यात, भंडारण, परिवहन और परिशोधन की अनुमति देता है, हालांकि भुगतान और कुछ देशों से जुड़े लेन-देन पर सख्त शर्तें रखी गई हैं। हम आपको याद दिला दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले साल मार्च में वेनेजुएला से तेल खरीदने वाले देशों पर भारी शुल्क लगाया था, जिसमें भारत भी शामिल था। अब दिशा बदली है। देखा जाये तो रूस यूक्रेन युद्ध के बाद भारत ने अवसर का लाभ उठाते हुए सस्ता रूसी तेल बड़ी मात्रा में खरीदा। इससे देश की ऊर्जा जरूरतें भी पूरी हुईं और कीमतों पर भी नियंत्रण रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। अमेरिका का दबाव बढ़ा है, व्यापार शुल्क भारी हुए हैं और प्रतिबंधों के कारण आपूर्ति व्यवस्था जटिल हो गई है। इसी वजह से भारत अब तेल आयात के नए विकल्प तलाश रहा है। आयात के ताजा आंकड़े बताते हैं कि दिसंबर में रूस से तेल खरीद दो साल के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई। इसके साथ ही ओपेक देशों से आने वाले तेल की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। कई भारतीय रिफाइनरियों ने रूसी कच्चे तेल से दूरी बना ली है और आपूर्ति स्रोत बदलने शुरू कर दिए हैं। इसी बीच, वेनेजुएला के नए कानून ने एक नई संभावना खोली है। उत्पादन और निर्यात में तेज बढ़ोतरी की उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रतिबंधों के चलते जो तेल पहले मजबूरी में सस्ते दाम पर बेचना पड़ता था, अब वह बेहतर कीमत और कम लागत के साथ खुले बाजार में उपलब्ध होगा। सरकारी आकलन के अनुसार, वेनेजुएला में इस साल उत्पादन में 18 प्रतिशत तक बढ़ोतरी संभव है, जबकि निजी अनुमान इससे भी तेज उछाल की ओर संकेत कर रहे हैं। देखा जाये तो मोदी और रोड्रिगेज की बातचीत सिर्फ एक शिष्टाचार नहीं, बल्कि सामरिक संकेत है। भारत साफ तौर पर संदेश दे रहा है कि वह किसी एक स्रोत या किसी एक धड़े के साथ नहीं रहेगा। ऊर्जा सुरक्षा भारत की आर्थिक संप्रभुता की रीढ़ है और इस रीढ़ को मजबूत करने के लिए बहुध्रुवीय नीति अनिवार्य है। वेनेजुएला के दरवाजे खुलना भारत के लिए अवसर की तरह है क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार तक पहुंच सस्ती और स्थिर आपूर्ति का रास्ता खोल सकती है। हालांकि भारत को अमेरिकी शर्तों, भुगतान नियमों और भू-राजनीति की रस्साकशी में संतुलन भी साधना होगा। सामरिक रूप से यह कदम रूस पर निर्भरता घटाकर भारत की सौदेबाजी की शक्ति को और बढ़ाता है। यदि भारत वेनेजुएला से तेल खरीद फिर शुरू करता है तो अमेरिका के साथ व्यापारिक तनाव कम हो सकता है, साथ ही लैटिन अमेरिका में भारत की मौजूदगी मजबूत होगी।

दैनिक
विश्व परिवार

रायपुर/धर्म समाज/देश

रायपुर, शनिवार 7 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

राजिम कल्प कुंभ 2026 की सूची से साधु-संतों के नाम हटाने पर संत समाज में आक्रोश

- दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

रायपुर (विश्व परिवार)। राजिम कल्प कुंभ 2026 की सूची से साधु-संतों के नाम हटाए जाने को लेकर संत समाज में भारी आक्रोश है. इसी मुद्दे पर रायपुर के संत, महंत, पुजारी और पुरोहितों ने कड़ा विरोध जताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है. इस विषय को लेकर कचना रोड स्थित सुरेश्वर महादेव पीठ में आपात बैठक आयोजित की गई. बैठक में राजिम कल्प कुंभ 2026 के सचिव आचार्य डॉ. राजेश्वरानंद ने पूरे घटनाक्रम पर चिंता व्यक्त करते हुए अपने सचिव पद से इस्तीफा देने की घोषणा की. उन्होंने कहा कि पूर्व में जिन साधु-संतों के नाम सूची में शामिल थे, उन्हें बिना किसी कारण हटाया गया है, जिसका उन्हें गहरा खेद है. आचार्य राजेश्वरानंद ने बताया कि संत समाज की मांग पर ही सरकार द्वारा उन्हें राजिम कल्प कुंभ 2026 का सचिव नियुक्त किया गया था, जिससे संत समाज में खुशी की लहर दौड़ी थी, लेकिन तैयारियों के दौरान उनकी लगातार उपेक्षा की गई. न तो उन्हें किसी बैठक में बुलाया गया और न ही कोई सूचना दी गई. वहीं संतों के नाम सूची से हटाए जाने से असंतोष और बढ़ गया है. बैठक में महंत विरंची नारायण मंदिर के देवदास, महंत लक्ष्मी नारायण मंदिर के वेद प्रकाश, आदिवासी समाज से आजीवन निराहार संत गौतम आनंद, किन्नर अखाड़े से महामंडलेश्वर साध्वी मां सौम्या, आचार्य रुपेश महाराज, रविंद्र शास्त्री, ब्राह्मण अंतरराष्ट्रीय संगठन ट्रस्ट के प्रदेश अध्यक्ष आचार्य दिलेश शास्त्री, राष्ट्रीय योगी अखाड़ा छत्तीसगढ़ प्रांत के मीडिया प्रभारी भारत नाथ योगी, आचार्य राम अवतार शर्मा और आचार्य मनोज दास विशेष रूप से उपस्थित रहे. संत समाज ने एक स्वर में मांग की है कि राजिम कल्प कुंभ 2026 से जुड़े सभी निर्णयों में पारदर्शिता बरती जाए और संतों की गरिमा को ठेस पहुंचाने वालों पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए.

त्रिमूर्ति मंदिर में सल्लेखना पूर्वक हुई विश्वसिद्ध सागर जी महाराज की समाधि डोल यात्रा के साथ देह पंचतत्व में विलीन

सुसनेर (विश्व परिवार)। शुक्रवार को अध्यात्म और वैराग्य की एक और लौ शांत हो गई। परम पूज्य गणधर मुनि श्री 108 विवर्द्धन सागर जी महाराज के संघस्थ क्षुल्लक श्री 105 विश्वसिद्ध सागर जी महाराज ने शुक्रवार की सुबह श्री दिगम्बर जैन त्रिमूर्ति मन्दिर परिसर में समाधि मरण को प्राप्त किया।

दोपहर 1 बजे इंदौर-कोटा राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित त्रिमूर्ति मंदिर से महाराज जी की अंतिम डोल यात्रा निकाली गई। जो नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए पुन: त्रिमूर्ति मन्दिर पहुँची। बैंड-बाजों के साथ निकली इस यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए, जिनकी आंखों में अपने गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा और विदाई का गम साफ झलक रहा था। डोल यात्रा ने पूरे नगर का भ्रमण किया, जहां भक्तों ने जगह-जगह गुरुदेव को नमन किया। नगर भ्रमण के पश्चात त्रिमूर्ति मंदिर परिसर में ही मुनि श्री की अंतिम संस्कार की क्रियाएं विधि-विधान के साथ संपन्न कराई गईं। और उनकी देह पंचतत्व में विलीन हो गई।

मुनिश्री 108 विश्वनायक सागर महाराज के द्वारा मंत्रोच्चार के साथ लाभार्थी कोमल चंद जैन छत्रीवाला, प्रदीप कुमार लुहाडिया एवं ओमप्रकाश जैन गुरुकृपा परिवार ने मुनि श्री की पार्थिव देह का विधिवत पूजन अभिषेक कर मुखाग्नि दी।

मुनि श्री विवर्धन सागर महाराज ने महाराज श्री के जीवन कृतित्व का वर्णन किया

गणधर मुनिश्री 108विवर्धन सागर जी महाराज ने सबको सम्बोधित करते हुए समाधिस्थ सन्त के साधना जीवन का वर्णन किया। मुनि श्री ने बताया कि समाधिस्थ संत ने रोजमर्रा की तरह अपनी चर्या में साधनारत थे। सुबह अचानक उनका स्वास्थ खराब हुआ तो उनकी भावना के अनुरूप उनको मुनि दीक्षा प्रदान की गई जिसके बाद उन्होंने अपनी देह को त्याग दिया। समाधिस्थ सन्त की अंतिम यात्रा में नगर सहित आसपास क्षेत्रो के जैन समाजजन शामिल हुए। संचालन त्रिमूर्ति मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष अशोक जैन मामा व उपाध्यक्ष दिलीप पांडे ने किया।

गौ सेवा धाम योजना के तहत आरंग में गौशाला संचालन की उठी मांग

- गौसेवा आयोग अध्यक्ष को सौंपे ज्ञापन

आरंग (विश्व परिवार)। बुधवार को पटेल समाज के तत्वाधान में आयोजित शाकंभरी महोत्सव कार्यक्रम में पहुचे गौसेवा आयोग अध्यक्ष बिशेषर पटेल को श्रीबागेश्वरनाथ महादेव गौ सेवा समिति के सदस्यों ने आरंग में गौ सेवा धाम योजना के तहत् शीघ्र ही गौशाला संचालन के लिए ज्ञापन सौंपा। जिसपर उन्होंने इस मांग को गंभीरता से लेते हुए जल्द ही पूरा करने शासन को भेजकर आगे कार्यवाही करने का आश्वासन दिया।

इस मौके पर बागेश्वर नाथ धाम समिति सदस्य राहुल जोशी, संदीप शर्मा, पीपला फाउंडेशन से दूजेराम धीवर, महेन्द्र कुमार पटेल, पार्षदगण सहित बड़ी संख्या में पटेल समाज के लोगों की उपस्थिति रही।

तारवानी एंड एसोसिएट्स द्वारा आयोजित 'आर्टिकल स्टडी मीट' का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार)। तारवानी एंड एसोसिएट्स द्वारा आयोजित 'आर्टिकल स्टडी मीट' में पान मसाला एवं तंबाकू उद्योग पर लागू होने वाली नई जीएसटी एवं सेस व्यवस्था पर एक विस्तृत और ज्ञानवर्धक सत्र का आयोजन किया गया इस सत्र का वक्ता आर्टिकल लोकेश अग्रवाल थे । इस सत्र की शुरुआत इस मूल प्रश्न से की गई कि भारत सरकार द्वारा *1 फरवरी 2026* से तंबाकू और पान मसाला उद्योग के लिए लागू की जाने वाली नई कर व्यवस्था का उद्योग पर क्या प्रभाव पड़ेगा? भारत सरकार द्वारा GST Compensation Cess के चरणबद्ध समापन के बाद, नई कर व्यवस्था के तहत इन उत्पादों पर 40त्न की एक समान त्नस्त्र दर लागू की गई है । अब कर की गणना त्नक्कआधारित मूल्यांकन प्रणाली के अनुसार बैकवर्ड कैलकुलेशन से की जाएगी, और घोषित खुदरा बिक्री मूल्य (त्नक्क) ही कर निर्धारण का आधार होगा। यदि एक से अधिक त्नक्क घोषित हैं, तो सबसे अधिक त्नक्क को मान्य किया जाएगा।

साथ ही, Health Security से Security Cess (HSNS Cess) लागू की गई है, जिसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं के लिए संसाधन जुटाना है। यह सेस उत्पादन या बिक्री पर नहीं बल्कि पैकिंग मशीन की क्षमता पर आधारित होगी, और प्रति मशीन प्रति माह देय होगी, भले ही उत्पादन कम हो या अस्थायी रूप से बंद हो। नई प्रणाली के तहत फैक्ट्री-वाइज अनिवार्य पंजीकरण, मशीनों का विस्तृत डिक्लेरेशन, चार्टर्ड इंजीनियर प्रमाणन, विभागीय भौतिक सत्यापन, और पैकिंग एरिया में ष्टष्टञ्जङ्क निगरानी जैसी कड़ी अनुपालन व्यवस्थाएँ लागू की गई हैं। इसके अतिरिक्त मासिक भुगतान, नियमित रिटर्न फाइलिंग, और विलंब पर ब्याज एवं दंड के सख्त प्रावधान किए गए हैं।

प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ, पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी: मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

- शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की अहम भूमिका

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज शाम रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित नवनिर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ-ग्रहण समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने प्रेस क्लब के नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी सहित समस्त कार्यकारिणी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रायपुर प्रेस क्लब का इतिहास अत्यंत समृद्ध रहा है। यह देश के पुराने एवं प्रतिष्ठित प्रेस क्लबों में से एक है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी प्रेस क्लब की गरिमा और प्रतिष्ठा को और ऊँचाइयों तक ले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रेस लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है और पत्रकार लोकतंत्र के सच्चे सेनानी हैं। पत्रकार समाज के प्रति सजग रहते हुए साहस के साथ गरीबों, वंचितों और आमजन की आवाज को बुलंद करते हैं। साथ ही शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों को जन-जन तक पहुँचाने में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि केंद्र की डबल इंजन सरकार ने सुदृढ़ रणनीति के साथ नक्सलवाद के विरुद्ध लगातार निर्णायक सफलता हासिल की है। बीते दो वर्षों में हमारे सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और पराक्रम के कारण नक्सलवाद आज समाप्ति की ओर है।

प्रोजेक्ट आंगन के तहत आंगनबाड़ी केंद्रों में बाल सभा एवं पालक सत्र का आयोजन

रायपुर (विश्व परिवार) जिला प्रशासन रायपुर की अभिनव पहल प्रोजेक्ट आँगन के अंतर्गत परियोजना आरंग के विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों में बाल सभा एवं पालक सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास के साथ-साथ पालकों को पोषण एवं स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों के पोषण स्तर की जानकारी पालकों को दी गई तथा बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास में संतुलित आहार की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही समुदाय को गर्भावस्था के दौरान मानसिक स्वास्थ्य के महत्व से अवगत कराया गया।

इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं को संतुलित आहार, सकारात्मक सोच एवं तनाव प्रबंधन के विषय में जागरूक किया गया। विशेषज्ञों द्वारा बताया गया कि मानसिक रूप से स्वस्थ मातृत्व, शिशु के बेहतर विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, जननी सुरक्षा योजना सहित अन्य शासकीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जिससे पात्र महिलाएं समय पर योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

जिला प्रशासन की इस पहल को उपस्थित पालकों एवं समुदायजनों ने सराहना करते हुए इसे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य के लिए अत्यंत उपयोगी बताया।

संवाद से समाधान अभियान के तहत यातायात नियमों पर हुआ जनजागरूकता कार्यक्रम

- ग्राम तेंदुआ में आयोजित किया गया जागरूकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। पुलिस उपायुक्त पश्चिम श्री संदीप पटेल के निर्देशन में तथा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राहुल शर्मा के मार्गदर्शन में संवाद से समाधान अभियान के तहत लगातार जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

इसी क्रम में आज एसीपी पुरानी बस्ती देवांश सिंह राठौर एवं थाना प्रभारी आमानाका श्री सुधांशु बघेल के द्वारा थाना आमानाका अंतर्गत ग्राम तेंदुआ में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को साइबर संबंधी अपराधों से बचाव, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, तथा साइबर अपराध, ग्राम सुरक्षा, नशामुक्ति एवं यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को प्रमुख रूप से निम्न बिंदुओं पर जानकारी दी गईद्य अनजान कॉल पर डर या लालच में आकर किसी भी प्रकार के लेन-देन से बचने की समझाइश। ऑनलाइन वित्तीय ठगी से बचाव। सोशल मीडिया अपराधों की पहचान। फर्जी लोन ऐप से सतर्कता। डिजिटल अरेस्ट जैसे नए साइबर फ्रॉड से बचाव। संदिग्ध लिंक, एप्लीकेशन (क्क) एवं अनजान कॉल से सतर्क रहने की सलाह।किसी भी प्रकार की साइबर ठगी होने पर 1930 पर कॉल कर तत्काल रिपोर्ट दर्ज कराने की जानकारी। साइबर क्राइम पोर्टल www.cybercrime.gov.in पर स्वयं शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी के संबंध में ग्रामीणों को अवगत कराया गया ग्रामीणों द्वारा पुलिस के इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए प्रशंसा एवं आभार व्यक्त किया गया।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के उपाध्यक्ष संतोष जैन बने सलाहकार

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश की सबसे बड़ी व्यापारिक संस्था छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज में संगठनात्मक विस्तार और अनुभवी नेतृत्व को प्राथमिकता देते हुए एक महत्वपूर्ण नियुक्ति की गई है। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने संस्था के वरिष्ठ एवं कर्मठ सदस्य संतोष जैन (मेसर्स मूलचंद पाली मर्स) को उनकी सक्रियता और अनुभव को देखते हुए सलाहकार के गरिमामय पद पर मनोनीत किया है।

बता दें कि संतोष जैन वर्तमान में उपाध्यक्ष पद पर अपनी सेवाएं दे रहे थे। संगठन के प्रति उनके समर्पण और व्यापारिक मुद्दों पर उनकी गहरी समझ को देखते हुए उन्हें पदोन्नत कर सलाहकार की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इस नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी सहित समस्त चेम्बर परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई दी है। श्री थौरानी ने विश्वास जताया कि वर्ष 2025 से 2028 तक का उनका यह कार्यकाल संस्था के लिए उपलब्धियों से भरा होगा। इस नियुक्ति पर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि, श्री संतोष जैन जी का लंबा अनुभव और व्यापारियों के प्रति उनकी अटूट निष्ठा चेम्बर को एक नई दिशा प्रदान करेगी। उनके मार्गदर्शन से संगठन और अधिक सशक्त, एकजुट और प्रभावी बनेगा। इस अवसर पर चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, चेम्बर कार्यालय प्रभारी दिलीप इसरानी, उपाध्यक्ष जितेंद्र शादीजा, महेंद्र अग्रवाल (सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला) एवं भाटापारा से अमरजीत सिंह सलूजा प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जितनी जल्दी आप अपने जीवन की जिम्मेदारी लेंगे, सफलतायें भी आपके कदमों में आकर घुटने टेक देगी: आचार्य प्रसन्न सागर महाराज

- आचार्य संघ ने किये सूर्य नगर के शान्ति नाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन-कोटखावदा हाऊस पर किये पाद पक्षालन

जयपुर (विश्व परिवार)। दूसरों पर निर्भर होकर जीवन जीने का अर्थ है हाथ, पैर, शरीर ठीक होने पर भी हम अपंग और अपाहिज हो गये। किसी कार्य में दूसरों का सहयोग लेना गलत नहीं है,, लेकिन उन पर ही निर्भर हो जाना गलत है। दूसरों पर निर्भर होना यानि अपनी योग्यता को खत्म कर देना जैसा ही है।

ये उदगार आंहिसा संस्कार पद यात्रा के प्रणेता सिंहनिष्क्रीडित ब्रत करता अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने सिद्धार्थ नगर में शुक्रवार को सायंकाल धर्म सभा को सम्बोधित करते हुये व्यक्त किये। उन्होंने आगे कहा कि जब हम किसी पर निर्भर होते हैं, तो हम अपने आपको लाचार और असहाय महसूस करने लगते हैं। *दूसरों पर निर्भर होने से पहले हम लाचार होते हैं, फिर धीरे धीरे आदत सी हो जाती है और हम बिल्कुल पंगु हो जाते हैं। सहयोग लेना बुरा नहीं है, असहाय और निर्भर होना बुरा है।

किसी भी कार्य की शुरुआत करो, एक दो बार असफ़ल होंगे तो कोई बात नहीं। भरोसा करना है तो स्वयं पर करो, दूसरों पर भरोसा करने से जीने की उम्मीदें कम हो जाती है। क्योंकि बने बनाये पथ पर चलने वाली नहरें होती है, नदियाँ नहीं। नदियाँ चट्टानों को चीर कर, अपना पथ स्वयं बनाती है और आगे बढ़ती है। तभी तो वो सागर से मिल पाती है। ना सिर्फ सागर से मिलती है वरन वो खुद सागर हो जाती है।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन एवं महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि शुक्रवार को थडी मार्केट के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में प्रात: अभिषेक, शांतिधारा के बाद आयोजित धर्म सभा में राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री जोगेश्वर गर्ग ने आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने श्री गर्ग को लौंग की मंत्रित माला पहनाई।

आहार चर्या एवं सामायिक के बाद दोपहर 3.00 बजे आचार्य श्री प्रसन्न सागर महाराज ससंघ अग्रवाल फार्म थडी मार्केट के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर से मंगल विहार कर बी टू बाई पास पर ऋषभ मार्ग पर पहुचे जहां सूर्य नगर वासियों ने आचार्य संघ की भव्य अगवानी की। बैण्ड बाजों के साथ जुलूस के रुप में रवाना होकर कोटखावदा हाऊस पहुचे जहां मैना देवी कासलीवाल, मुन्ना देवी वैद, विनोद - दीपिका जैन कोटखावदा के नेतृत्व में पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की गई।

इससे पूर्व दीपिका जैन कोटखावदा के नेतृत्व में पुष्पा सोनी, प्रेम लता बाकलीवाल, कुसुम साखूनियां, सुनिता हल्दैनिया, अनिता लुहाड़िया, दिव्या बाकलीवाल, तन्वी हल्दैनिया आदि ने सिर पर मंगल कलश लेकर अगवानी की। कोटखावदा हाऊस में पाद पक्षालन एवं मंगल आरती के मौके पर मुनि भक्त सुभाष चन्द जैन , महेन्द्र साह, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा,कैलाश चन्द छाबड़ा, अशोक बाकलीवाल, आशीष चौधरी, प्रितेश छाबड़ा, विपुल छाबड़ा, अंकित बाकलीवाल, अंकित सोनी, सीए शुभम हल्दैनिया, अरुण रावकां, अभय लुहाड़िया सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

अपना पथ स्वयं गढ़ो और आगे बढ़ो

जिनवाणी स्तुति से धर्म सभा का समापन हुआ।। इससे पूर्व आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ससंघ ने तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन लाभ प्राप्त किये। इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

छत्तीसगढ़

रायपुर, शनिवार 07 फरवरी 2026

संक्षिप्त समाचार

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने जनवरी 2026 में 5.74 लाख यूनिट बिक्री के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज की

नईदिल्ली। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया (HMSI) ने जनवरी 2026 में कुल 5,74,411 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। इसमें 5,19,579 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 54,832 यूनिट्स निर्यात के रूप में शामिल हैं। जनवरी 2025 की तुलना में HMSI ने कुल बिक्री में 29% की वर्ष-दर-वर्ष (YOY) वृद्धि दर्ज की है। यह प्रदर्शन घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों बाजारों में HMSI के उत्पाद पोर्टफोलियो की मजबूत मांग को दर्शाता है। वित्त वर्ष 2026 (FY26) की वर्ष-से-तिथि अवधि (अप्रैल 2025 से जनवरी 2026) के दौरान, HMSI ने कुल 52,53,205यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जिसमें से 47,23,979 यूनिट्स घरेलू बाजार में और 5,29,226 यूनिट्स निर्यात के रूप में बेचीगईं। जनवरी 2026 की प्रमुख उपलब्धियां- सड़क सुरक्षा : सभी के लिए सुरक्षा के अपने विज़न के अनुरूप, HMSI ने देशभर में अहमदनगर, अलीबाग, बल्लभगढ़, भुवनेश्वर, दौसा, गुवाहाटी, ग्वालियर, होसपेटे, काकीनाडा, कासरगोड, कुरुक्षेत्र, रायपुर और सूरत सहित कई स्थानों पर सड़क सुरक्षा अभियान आयोजित किए। इन अभियानों का उद्देश्य जिम्मेदार वाहन चलाने को प्रोत्साहित करना और सामुदायिक जागरूकता बढ़ाकर सभी के लिए सुरक्षित सड़कों का निर्माण करना था। HMSI ने केरल के मलप्पुरम में एक सड़क सुरक्षा सम्मेलन भी आयोजित किया, जिसमें स्कूलों के प्रधानाचार्यों और शिक्षकों को शामिल किया गया, ताकि बच्चों में कम उम्र से ही सुरक्षित सड़क आदतों को विकसित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, HMSI ने देशभर में जागरूकता अभियानों की एक श्रृंखला चलाई और राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर 'जयपुर आइडियल रोड सेफ्टी प्रोजेक्ट' की शुरुआत की।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों का जिला सीईओ ने किया निरीक्षण

कोण्डागांव। जनपद पंचायत माकड़ी अंतर्गत ग्राम पंचायत माकड़ी, उमरगांव एवं अमरावती में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत स्वीकृत निर्माणाधीन आवासों का जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई द्वारा सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन आवासों की प्रगति का जायजा लेते हुए संबंधित हितग्राहियों एवं पंचायत अमले को आवास निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।निरीक्षण के दौरान ग्राम पंचायत माकड़ी में सचिव के कार्यों में उदासीनता पाए जाने पर सचिव लक्ष्मण शोरी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने तथा आवास निर्माण की दैनिक प्रगति नियमित रूप से दर्ज करने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत उमरगांव में किसी भी आवास में निर्माण कार्य बंद पाए जाने पर सचिव घुड़ऊराम नेताम को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने एवं शीघ्र आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं कराए जाने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिए गए। साथ ही ग्राम रोजगार सहायक तिहारू राम नेताम को मनरेगा अंतर्गत पर्याप्त कार्य प्रारंभ कर मजदूरी मानव दिवस बढ़ाने तथा मनरेगा के कार्यों को प्राथमिकता के साथ संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया। भ्रमण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत माकड़ी गजेंद्र धुरडे, आवास समन्वयक तिलक शंकर सिन्हा एवं जनपद स्तरीय अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे इसी प्रकार ग्राम पंचायत गिरोला, विकासखंड कोण्डागांव में भी प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली गई तथा आवास निर्माण शीघ्र पूर्ण कराने हेतु यथासंभव सहयोग देने और निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए हितग्राहियों को प्रोत्साहित किया गया।

गरियाबंद में कन्या महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए जमीन आबंटन पर ग्रामवासियों से चर्चा, 20 एकड़ भूमि देने पर सहमति

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय में लंबे प्रयासों के बाद कन्या महाविद्यालय की स्वीकृति मिलने के पश्चात अब उसके भवन निर्माण के लिए जमीन आबंटन की प्रक्रिया तेज हो गई है। वर्तमान में यह महाविद्यालय वीर सुरेन्द्र साय स्नातकोत्तर महाविद्यालय परिसर में संचालित हो रहा है। भवन निर्माण हेतु भूमि चयन के संबंध में हाल ही में ग्राम पंचायत डोंगरीगाँव में स्थानीय ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में तहसीलदार चितेश देवांगन ने जानकारी दी कि डोंगरीगाँव में लगभग 200 एकड़ घास भूमि उपलब्ध है, जिसमें से कन्या महाविद्यालय भवन निर्माण के लिए 20 एकड़ जमीन प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि इस शिक्षण संस्था के निर्माण से क्षेत्र की बालिकाओं को उच्च शिक्षा का बेहतर अवसर मिलेगा और स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएँ भी बढ़ेंगी।

बैठक के दौरान कुछ ग्रामीणों ने निस्तारी भूमि कम होने की आशंका जताते हुए विरोध भी दर्ज कराया। इस पर प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने स्पष्ट किया कि ग्रामवासियों के हितों के साथ किसी प्रकार का अन्याय नहीं होगा, बल्कि महाविद्यालय बनने से पूरे क्षेत्र को दीर्घकालीन लाभ मिलेगा। साथ ही यह भी कहा गया कि यदि समय पर भूमि उपलब्ध नहीं कराई गई तो यह महत्वपूर्ण सौगात किसी अन्य स्थान को मिल सकती है, जो जिले के लिए नुकसानदेह होगा। बैठक में जनपद अध्यक्ष सोहन लाल ध्रुव, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष लेखराम साहू, नगरपालिका परिषद गरियाबंद अध्यक्ष रिखीराम यादव, वरिष्ठ नागरिक मुरलीधर सिन्हा, अमित मिरी, पत्रकार महेन्द्र सहिस, पटवारी मनोज कुमार कंवर, मनोज खरे सहित अनेक जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए सहयोग की अपील की। इस अवसर पर सरपंच नगीता दीवान, उप सरपंच टिलोसरी सहिस, पंचगण सुमेरसिंग, किशोर ध्रुव, सरिता मंडले, पुष्पा ध्रुव, ललिता क्षत्रिय, ईश्वरी ध्रुव, कुमारी सोरी, दिनेश्वरी ध्रुव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मनरेगा का नाम बदलने एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी को संसद भवन में न बोलने के खिलाफ आंदोलन किया कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) सूरजपुर कलेक्टर को सौंपा गए ज्ञापन में कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने उल्लेख किया है कि मनरेगा का नाम बदलने एवं इस कानून को कमजोर करने की साजिश, एस आई आर मे फर्जी तरीके से नाम काटने एवं श्री राहुल गांधी जी को संसद में नहीं बोलने दिया जा रहा है।

रोजगार गारंटी का कानून जो कि यू.पी.ए. सरकार के कार्यकाल मे बनाया गया था, उससे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी का नाम हटाने एवं इस कानून को कमजोर करने की कोशिश केन्द्र की मोदी सरकार कर रही है मनरेगा के माध्यम से देश के सैकड़ो परिवारों को रोजगार उपलब्ध होता था परन्तु केन्द्र सरकार लगातार रोजगार की इस गारंटी को खत्म करने का प्रयास कर रही है।

एस.आई.आर के अन्तर्गत जिले मे कई जगहो पर अल्पसंख्यक समुदाय को टार्गेट बनाकर फर्जी आपत्तियां दर्ज कर एवं फर्जी हस्ताक्षर कर नाम हटवाये जा रहे है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता एवं संसद में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का संसद में बोलने नही दिया जा रहा है। राहुल गांधी ने संसद में कई बार सत्तापक्ष का भंडाफोड़ किया जिससे मोदी सरकार घबरा रही है और उन्हे साजिश के तहत बोलने नही दिया जा रहा है जो कि लोकतंत्र की परम्परा के विपरित है।

युक्त मुद्दो एवं मांगो को लेकर आम्म जिला कांग्रेस कमेटी सूरजपुर द्वारा विरोध स्वरूप कलेक्टर घेराव कार्यक्रम किया गया ताकि केन्द्र मे बैठी मोदी सरकार की नींद खुल सके । उक्त आयोजन में अनिल गुप्ता, विद्यासागर सिंह,ईस्माइल खान, नरेंद्र जैन, संजय डोसी, सुनील अग्रवाल,नवीन जायसवाल, विमलेश तिवारी, राजेन्द्र यादव, राम कुमार बंछोर, विमला सिंह, जरीना सुल्ताना, लिली राजवाड़े, दिव्या तांजे, संजीव श्रीवास्तव, जगतलाल आयाम, कमल बिहारी टेकाम, महेंद्र साहू, अरविंद यादव, आलोक साहू, बिहारी कुलदीप, इम्तियाज जफ़र, अंशुल पांडेय, परमेश्वर राजवाड़े, कुंदन विश्वकर्मा, विजय साहू, शान्तु डोसी, गिरधारी साहू, वेद प्रकाश मिश्रा, मिस्टर हुसैन, दीपक साहू, लिवनेश सिंह, अविनाश साहू, राजपाल कसेरा, प्रदीप साहू, संदीप शर्मा, अजय सोनवानी, लालजी राजवाड़े, शांतनु सिंह, जमील सिद्दकी, सैय्यद आमिल,त्रिभुवन सिंह टेकाम, किसुन सिंह,सुनील सारथी, संतोष पावले,विक्की यादव,लालचंद देवांगन,हुलास राजवाड़े,आलोक जगते सहित सूरजपुर,रामानुजनगर, प्रेमनगर, ओड़गी, भैयाथान, सलका, लटोरी, प्रतापपुर, भटगांव, जरही, बिश्रामपुर, शिवनन्दनपुर, बिहारपुर क्षेत्र के कांग्रेस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

50 साल एक राष्ट्र मैगी के अनगिनत 'साथ होने के पल' — अब आधिकारिक तौर पर प्रमाणित

मैगी के भारत में 50 साल पूरे करने पर जारी स्मारक डाक टिकट

इन्दौर। नेस्ले इंडिया ने भारत में मैगी के 50 वर्ष पूरे होने के अवसर पर एक विशेष उपलब्धि का जश्न मनाते हुए एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। इस डाक टिकट का अनावरण नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान की उपस्थिति में किया। यह डाक टिकट मैगी की उस विकास यात्रा को समर्पित है, जिसमें ब्रांड ने समय से आगे रहते हुए एक अत्यंत लोकप्रिय श्रेणी के पर्याय के रूप में अपनी पहचान बनाई और पीढ़ियों से लोगों को एक साथ लाने का कार्य निरंतर किया।

पिछले पाँच दशकों में मैगी ने नूडल्स और मसालों से लेकर सॉस, सूप और रेडी-टू-कुक पसंदीदा उत्पादों तक, कई स्वादिष्ट रूपों में भारतीय घरों में अपनी जगह बनाई है। झटपट बने अकेले भोजन से लेकर परिवार को एक साथ लाने वाले व्यंजनों तक, और हॉस्टल की रसोइयों से लेकर बड़े पारिवारिक आयोजनों तक, मैगी देश भर में अनगिनत भोजन पलों का हिस्सा रही है। 50 ईयर्स ऑफ़ टुगेदरनेस डाक टिकट इन साझा अनुभवों को समर्पित एक श्रद्धांजलि है, जो उस अपनापन, सुकून और जुड़ाव को दर्शाता है, जिसे मैगी आज भी भारत भर की थालियों तक पहुँचाती है।

भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री श्री चिराग पासवान ने कहा, भारत का प्रसंस्कृत खाद्य क्षेत्र पिछले कई दशकों में घरेलू उपभोक्ताओं का विश्वास अर्जित करने में उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है। अग्रणी ब्रांड्स ने नई श्रेणियों का निर्माण किया है और हमारे खाद्य पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाया है। इस उल्लेखनीय यात्रा का हिस्सा बनते हुए 50 वर्ष पूरे करने पर मैं मैगी को बधाई देता हूँ।

डाक टिकट के शुभारंभ की घोषणा करते हुए, नेस्ले इंडिया के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री मनीष तिवारी ने कहा , भारत में मैगी के लिए यह वास्तव में एक विशेष उपलब्धि है। हमारे जैसे जीवंत और विविधतापूर्ण देश में पाँच दशकों का सफ़र तय करना उस विश्वास, स्नेह और रोज़मर्रा के प्रेम का प्रतीक है, जो लाखों उपभोक्ताओं ने इस ब्रांड पर निरंतर बरसाया है। यह उन साझा पलों, बदलते स्वादों और उस रिश्ते का उत्सव है, जो वर्ष दर वर्ष और पीढ़ी दर पीढ़ी और भी मजबूत होता गया है।

नेस्ले इंडिया इस जुड़ाव को और देशभर में लोगों के दैनिक जीवन में गर्माहट, सुकून और साथ होने के पलों में निरंतर योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध है।

ओप्पो ने रेनो 15सी पेश किया

नई दिल्ली: ओप्पो इंडिया ने रेनो 15 सीरीज़ का विस्तार करते हुए ओप्पो रेनो 15सी का लॉन्च किया है। यह स्मार्टफ़ोन रेनो का अनुभव और अधिक ग्राहकों तक पहुँचाने के लिए बनाया गया है, जो ट्रैवलर्स, क्रिएटर्स और फ़ोटोग्राफ़ी प्रेमियों को स्मार्टफ़ोन का शानदार अनुभव प्रदान करेगा। रेनो 15सी में रिफ़ाईंड डिज़ाईन, लंबी चलने वाली बैटरी और इंटैलिजेंट ए.आई फ़ीचर्स के साथ रेनो सीरीज़ की मुख्य विशेषताएं मौजूद हैं, जो और अधिक किफ़ायती मूल्य में उपलब्ध हो रही हैं। रेनो 15सी भारत में 5 फ़रवरी, 2026 से आफ़्टरग्लो पिंक और ट्वाईलाईट ब्लू कलर्स में मिलना शुरू होगा। रेनो 15सी में 7000एम.ए.एच की शक्तिशाली बैटरी के साथ 80वॉट की सुपरवूक फ़ास्ट चार्जिंग दी गई है। यह स्मार्टफ़ोन इमर्सिव एमोलेड डिस्प्ले के साथ भरोसेमंद परफ़ॉर्मेंस और शानदार ड्यूरेबिलिटी प्रदान करता है। कलरओएस 16 के साथ यह स्मार्टफ़ोन गतिशील रहने वाले ग्राहकों के लिए बहुत ही भरोसेमंद है।

प्रीमियम डिज़ाईन के साथ स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफ़ोन- रेनो 15सी में ओप्पो ने अपना कोरल फ्लीस-लाईक स्किन-फ्रेंडली वैलवेट टैक्सचर पैनल दिया है, जो सॉफ्ट मैट फ़िनिश के साथ हाथों में बहुत अच्छा महसूस होता है और इस पर उंगलियों के निशान भी नहीं पड़ते हैं। साथ में ओप्पो का डायनामिक स्टेलर रिंग डिज़ाईन स्क्वैयर रिंग कैमरा ले-आउट के साथ सतह पर प्रकाश पड़ने पर हैलो इफेक्ट उत्पन्न करता है, जिससे स्मार्टफ़ोन को बहुत रिफ़ाईंड और आकर्षक लुक प्राप्त होता है। रेनो 15सी 8.14 मिमी और 195 ग्राम के साथ बहुत स्लिम और लाईटवेट स्मार्टफ़ोन है। इसमें 1.67 मिमी के नैरो बेज़ेल्स के साथ 6.57 इंच का फ्लैट एमोलेड डिस्प्ले दिया गया है। एफ़एचडी+ रिज़ॉल्यूशन, 10-बिट कलर और 92.8 प्रतिशत स्क्रीन-टू-बॉडी अनुपात व्यूईंग का शानदार अनुभव प्रदान करते हैं।

गरियाबंद में परीक्षा पे चर्चा 2026 का भव्य आयोजन, 200 से अधिक छात्र-छात्राओं ने लिया उत्साहपूर्वक हिस्सा

गरियाबंद (विश्व परिवार)। स्थानीय शैक्षणिक संस्थान श्रद्धा पब्लिक स्कूल उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, हिन्दी माध्यम, गरियाबंद में दिनांक 06 फरवरी 2026 को देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र दामोदर दास मोदी की मंशा अनुरूप परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कम्प्यूटर विभाग के डिजिटल प्रोजेक्टर के माध्यम से कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया, जिसमें विशेष रूप से कक्षा 10वीं और 12वीं के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों तथा अभिभावकों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से परीक्षा का अज्ञात भय दूर करना तथा उन्हें सरल, सकारात्मक और सुव्यवस्थित ढंग से परीक्षा देने के लिए प्रेरित करना रहा। प्रधानमंत्री के प्रेरणादायी संदेशों को विद्यार्थियों तक सहज रूप में

पहुँचाने का कार्य विद्यालय की शिक्षिकाओं प्रिया यादव, सारिका यादव, पुष्पा साहू, अनिता निर्मलकर एवं गीतांजली देवांगन ने किया। कार्यक्रम का सफल समन्वय विभागाध्यक्ष नोमेश देवांगन और गजानंद साहू द्वारा किया गया। आयोजन में खिलेश साहू, मुकेश कुमार ठाकुर, अशोक झारे, देवव्रत देवांगन, पवन भरतद्वाज, दीप्ति वर्मा, पूजा यादव, छत्रपाल साहू, प्रकाश यादव सहित लगभग 200 छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सत्येन्द्र तिवारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि इस प्रकार के प्रेरणादायी कार्यक्रम विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने, तनाव कम करने और उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने की दिशा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होते हैं। उन्होंने सभी सहभागियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झारेड हैक (Jhared Hack) का जलवा, 5 शॉट से शानदार जीत

नया रायपुरः झारेड हैक ने DP वर्ल्ड PGTI पर अपने डेब्यू को यादगार बनाते हुए सीज़न-ओपनर SECL छत्तीसगढ़ ओपन 2026 में पाँच शॉट की जबरदस्त जीत दर्ज की। 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट का आयोजन नया रायपुर स्थित फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिज़ॉर्ट में किया गया।

झारेड हैक (63-61-63-59), जो तीसरे राउंड के बाद तीसरे स्थान पर थे और लीड से सिर्फ एक शॉट पीछे थे, ने अंतिम राउंड में 10-अंडर 59 का शानदार स्कोर बनाते हुए खिताब अपने नाम किया। यह फेयरवे गोल्फ एंड लेक रिज़ॉर्ट में अब तक का सबसे कम सिंगल-राउंड स्कोर है।

लास वेगास में रहने वाले झारेड, जो पिछले सप्ताह ष्ठक

वर्ल्ड PGTI क्वालिफ़इंग स्कूल में उपविजेता रहे थे, ने नया रायपुर में पिछले सर्वश्रेष्ठ स्कोर 60 को पीछे छोड़ा। यह स्कोर पिछले साल के संस्करण और इसी सप्ताह कई खिलाड़ियों द्वारा बनाया गया था। इसके साथ ही झारेड ने 30-अंडर 246 के कुल स्कोर के साथ टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे कम विजयी स्कोर का नया रिकॉर्ड भी बनाया। पिछले वर्ष शौर्य भट्टाचार्य ने 27-अंडर 249 के स्कोर के साथ खिताब जीता था।

भारत के 21 वर्षीय अंशुल काबथियाल (62-61-63-65) ने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 25-अंडर 251 के कुल स्कोर के साथ उपविजेता स्थान हासिल किया। एक शॉट की बढ़त के साथ अंतिम दिन की शुरुआत करने वाले अंशुल ने चौथे राउंड में बिना किसी बोगी के चार-अंडर 65 का स्कोर बनाया।

PGTI ने अपने टाइटल पार्टनर DP World तथा टूर पार्टनर्स अमूल, इंडसइंड बैंक, विक्टोरियस चॉइस, कैम्पा, अमृतांजन इलेक्ट्रो प्लस, गोल्फ प्लस मंथली और गोल्फ डिज़ाइन इंडिया को टूर के विकास में सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

दूसरे संयुक्त लीडर हनी बैसोया (62-61-63-67) ने अंतिम राउंड में 67 का स्कोर बनाते हुए 23-अंडर 253 के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

क्षितिज नवीन कौल (63), किशोर खिलाड़ी कार्तिक सिंह (64) और पूर्व PGTI नंबर-1 वीर अहलावत (65) ने 22-अंडर 254 के स्कोर के साथ संयुक्त चौथा स्थान साझा किया।

पहले दो दिनों के लीडर अक्षय शर्मा ने मोहम्मद अजहर के साथ 21-अंडर 255 के स्कोर पर संयुक्त सातवां स्थान हासिल किया।

36 वर्षीय झारेड हैक ने, जो पिछले सप्ताह DP वर्ल्ड PGTI क्वालिफ़इंग स्कूल में शानदार प्रदर्शन के बाद भारत आए थे, भारत की अपनी पहली यात्रा को और भी खास बना दिया। उन्होंने DP वर्ल्ड PGTI में अपने पहले ही टूर्नामेंट में जीत दर्ज की। इससे पहले झारेड कॉर्न फेरी टूर, कैनेडियन टूर और PGA टूर लैटिन अमेरिका पर खेल चुके हैं। उन्हें DP वर्ल्ड PGTI के बारे में उनके करीबी दोस्त डोमिनिक पिचिरिल्लो से जानकारी मिली थी। अंतिम दिन की शुरुआत झारेड ने पहले होल पर बोगी के साथ की।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर छ0ग0

नि0क्र0 13/ले0शा0/का0अ0/लो0स्वा0यां0वि0/2026./कांकेर/ दिनॉक 30.01.2026

— :: अल्पकालीन मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना ::—

छत्तीसगढ के राज्यपाल के ओर से उत्तर बस्तर कांकेर जिले के निम्नांकित कार्य हेतु सक्षम पंजीकृत निर्माताओं/विक्रेताओं से निविदाए प्रपत्र "सी' में आमंत्रित की जाती है।

सामाग्री का विवरण :— कांकेर जिले के अंतर्गत स्थापित हैण्डपम्पों के संचालन एवं संधारण के लिए सामग्री प्रदाय कार्य।

समूह क्र	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत रू0 लाख में
01	हैण्डपम्प संचालन एवं संधारण सामग्री (शेड्यूल 01 के अनुसार)	6.94
02	हैण्डपम्प संचालन एवं संधारण सामग्री (शेड्यूल 02 के अनुसार)	7.37

उपरोक्त् कार्य हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 12.02.2026 है। साथ ही निविदा की समान्य शर्ते अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधी में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

G- 252606512/1

कार्यपालन अभियंता,
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय खण्ड कांकेर
जिला उत्तर बस्तर कांकेर (छ0ग0

नगर निगम का मवेशी धर-पकड़ अभियान

- चौक चौराहो में बैठे व विचरण करते 6 मवेशी पकड़े
- दुर्घटना से बचने मवेशी बांधकर रखने आयुक्त ने की अपील

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम का मवेशी धर-पकड़ अभियान में निगम की टीम शहर के प्रमुख चौक चौराहो का निरीक्षण कर एवं शिकायत के आधार पर घुमन्तु एवं बैठे मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है। इसी कडी में आज लखोली चौक, नंदई चौक, इंदिरा नगर चौक, गंज मण्डी के सामने, फरहद चौक से घुमन्तु 6 मवेशियों की धर-पकड की गयी, मवेशियो को रेवाडीह कांजी हाउस में रखा गया है। उल्लेखनीय है कि कई पशु मालिकों द्वारा अपने मवेशियों को खुला छोड देते है, जिससे मवेशी चौक चौराहों में घुमते एवं बैठे रहते है, जिससे यातायात बाधित होती है एवं दुर्घटना की संभावना बनी रहती है, जो आमजनों के साथ ही पशुओ के लिये भी खतरनाक है। पशु मालिकों की सजगता से ही दुर्घटना से बचा जा सकता है।

नगर निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने टीम गठित की है, गठित टीम चौक चौराहो से घुमन्तु मवेशियों को पकड़ने की कार्यवाही कर रही है।

भारत सरकार के जल शक्ति और पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिया गया है यह अवार्ड

सीएम विष्णुदेव साय ने सरना एथनिक रिसॉर्ट जशपुर को प्रदान किया ग्रीन लीफ अवॉर्ड

- पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों को दी बधाई

रायपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के पर्यटन क्षेत्र में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया। जशपुर स्थित सरना एथनिक रिसॉर्ट को रिसॉर्ट एवं परिसर में स्वच्छता तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के मानकों पर पूर्णतः उपयुक्त पाए जाने पर वर्ष 2025-26 हेतु प्रतिष्ठित ग्रीन लीफ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस पुरस्कार को छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक श्री विवेक आचार्य को प्रदान किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अध्यक्ष श्री नीलू शर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पुरस्कार छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड की अथक मेहनत और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ग्रीन लीफ अवॉर्ड पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को बढ़ावा देने वाला एक प्रतिष्ठित पुरस्कार है। यह भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय द्वारा संचालित स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग का हिस्सा है। यह अवॉर्ड होटलों, रिसॉर्ट्स, होमस्टे और अन्य पर्यटन इकाइयों को प्रदान किया जाता है जो उच्च स्वच्छता मानकों, जल संरक्षण, कचरा प्रबंधन, ऊर्जा दक्षता तथा नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा निर्देशों का पालन करते हैं। छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड ने हाल के वर्षों में पर्यटन विकास में अभूतपूर्व योगदान दिया है। बोर्ड ने इको-फ्रेंडली रिसॉर्ट्स, होमस्टे और ट्रेकिंग रूट्स विकसित कर पर्यटन राजस्व में वृद्धि दर्ज की। जशपुर के सरना एथनिक रिसॉर्ट को मिला यह सम्मान बोर्ड की स्वच्छता, जैव विविधता संरक्षण और स्थानीय समुदाय सशक्तिकरण की नीतियों का जीवंत प्रमाण है। इससे राज्य में पर्यटन को नई गति मिलेगी।

बस्तर छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है और धरती का स्वर्ग है : लता उसेण्डी

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और विधायक लता उसेण्डी ने बस्तर में हो रहे अभूतपूर्व सकारात्मक बदलावों पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा है कि जो बस्तर कभी पिछड़ेपन और नक्सलवाद की पहचान था, आज वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में %बस्तर ओलंपिक% और विकास की नई धारा के लिए पूरे देश में जाना जा रहा है। सुश्री उसेण्डी ने कहा कि बस्तर पण्डुम, बस्तर ओलम्पिक, नक्सल उन्मूलन और विकास के आलोक में बस्तर की तकदीर और तस्वीर सँवर रही है।

भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री उसेण्डी ने कहा कि एक समय था जब बस्तर जैसे आकांक्षी जिलों को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था और यहाँ की पोस्टिंग को पनिशमेंट पोस्टिंग माना जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस सोच को बदला। आज यहाँ होनहार और युवा अधिकारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है, जिन्हें विकास कार्यों के लिए स्वतंत्रता और समय दिया गया है। इसी का परिणाम है कि आज बस्तर के उन गांवों में भी बसें पहुंच रही हैं, जहाँ आजादी के बाद से लोगों ने सिर्फ अभाव देखा था। बस्तर को पर्यटन और संस्कृति का नया गौरव बताते हुए यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता की चर्चा कर सुश्री उसेण्डी ने कहा कि बस्तर छत्तीसगढ़ का सौभाग्य है और धरती का स्वर्ग है। धुड़मारास गांव को विश्व पर्यटन संस्था द्वारा 20 सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्रामों में चुना जाना हमारे बढ़ते कदम का प्रमाण है। केरल से भी बड़े क्षेत्रफल वाले इस अंचल में अब भय नहीं, बल्कि बस्तर पंडुम और बस्तर ओलंपिक का उत्सव दिखता है। भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुश्री उसेण्डी ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के दृढ़ संकल्प और सुरक्षा बलों के साहस से बस्तर में नक्सलवाद अब अंतिम साँसें गिन रहा है।

स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि सामूहिक जिम्मेदारी है- आयुक्त

जनसहयोग से शहर को स्वच्छ और सुंदर बनायेंगे :महापौर मीनल चौबे

रायपुर (विश्व परिवार)। जनता के सेवक हैँ सेवक बनकर जनता से संवाद करें, जनसहयोग से शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाएंगे, महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने आज रायपुर नगर निगम में स्वास्थ्य विभाग की बैठक में उक्ताशय के विचार रखे.

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025ङ्क26 की प्रभावी तैयारियों को लेकर आज रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा नवीन संकेतकों एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 पर आधारित एक समीक्षा सह प्रशिक्षण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सहभागिता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में महापौर श्रीमती मीनल चौबे एवं आयुक्त श्री विश्वदीप ने स्पष्ट निर्देश दिए कि नगर निगम का समस्त मैदानी अमला शहर के सभी जोनों में स्वच्छता स्तर, दर्शनीय स्वच्छता तथा जनभागीदारी को प्राथमिकता देते हुए कार्य करे। विशेष रूप से लक्षित स्कूलों में स्वच्छता गतिविधियाँ संचालित करने एवं प्रत्येक वार्ड में वार्ड स्तरीय स्वच्छता चैम्पियन तैयार कर नागरिकों को स्वच्छ आदतों के लिए प्रेरित करने पर बल दिया गया। जिन अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जो भी दायित्व सौंपे गए हैं, वे अपने दायित्वों का निर्वहन पूर्ण गंभीरता, जिम्मेदारी एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित करें।

कांग्रेस के पास न तथ्य हैं, न तर्क; केवल झूठ की राजनीतिः डॉ. विजय शंकर मिश्रा

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजय शंकर मिश्रा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम को लेकर कांग्रेस द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को तथ्यों से परे और राजनीति से प्रेरित बताते हुए तीखा प्रहार किया है। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस बिना अध्ययन किए अनर्गल प्रलाप करने की आदी हो चुकी है और मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जैसे पवित्र कार्यक्रम पर झूठे आरोप लगाकर प्रदेश की बहन-बेटियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने शुक्रवार को यहाँ एकात्म परिसर स्थित भाजपा कार्यालय में आहूत प्रेस ब्रीफ में कहा कि कांग्रेस ने गुरुवार को जो प्रेस कॉन्फ्रेंस की, उसमें प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों में कोई तथ्यात्मक जानकारी नहीं थी। कांग्रेस के नेता बिना किसी तैयारी के केवल सरकार के विरुद्ध माहौल बनाने की नाकाम कोशिश करते हैं। डॉ. मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस नेताओं को अध्ययन करके ही किसी विषय पर कुछ कहना चाहिए। अध्ययन की कमी के कारण उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए झूठे दस्तावेज और बातें जल्द ही जनता के सामने बेनकाब हो जाती हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. मिश्रा ने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के टेंडर पर उठाए जा रहे सवालों का जवाब देते हुए स्पष्ट किया कि पूरे प्रदेश में 6000 युवतियों का सामूहिक विवाह होना है।

भैसा कोठा व्यवसायिक परिसर की 10 दुकानें निगम ने की सील

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर नगर निगम राजस्व वसूली में कडाई बरतते हुये दुकानो की बकाया प्रीमियम तथा दुकान किराया पर संबंधित को नोटिस जारी कर सीलबंदी की कार्यवाही कर रही है। इसी प्रकार सम्पत्तिकर, जलकर, समेकितकर के बडे बकायादारों को भी नोटिस जारी कर भुगतान नही करने की स्थिति में नल कनेक्शन काटने की कार्यवाही की जायेगी। आज भैसा कोठा व्यवसायिक परिसर की 10 दुकाने रिक्त नही करने पर सील करने की कार्यवाही की गयी।

वित्तीय वर्ष समाप्ति के अंतिम माह में लक्ष्य के अनुरूप राजस्व वसूली के लिये निगम द्वारा जोर दिया जा रहा है, निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा, राजस्व विभाग की प्रतिदिन मानिटरिंग कर रहे है और सत प्रतिशत वसूली के लिए बकायादारो को नोटिस जारी कर कार्यवाही के निर्देश दे रहे है। निर्देश के अनुक्रम में राजस्व अधिकारी श्री राजेश तिवारी के नेतृत्व में निगम का अमला बडे बकायादारो को नोटिस जारी कर बकाया करो का भुगतान नही करने की स्थिति में कार्यवाही की तैयारी कर है। आज की कार्यवाही में भैसा कोठा व्यवसायिक परिसर मे निर्मित 17 दुकानो में से 10 दुकान की विधिवत नीलामी की गयी थी, नीलामी उपरांत सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वीकृति हेतु शासन को भेजा गया। शासन द्वारा कलेक्टर को अधिकृत करने पर कलेटर महोदय को प्रस्तव प्रेषित की गयी। लंबी अवधि को देखते हुए माननीय कलेक्टर द्वारा निरस्त किया गया था, निरस्ती उपरांत दुकानदारो को नोटिस जारी की गयी। बार बार नोटिस उपरांत भी दुकान रिक्त नही की गयी, जिसपर आज कार्यवाही करते हुए निगम का अमला उक्त 10 दुकानो में सीलबंदी की कार्यवाही गयी।

प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली को सुदृढ़ करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताः स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की अध्यक्षता में गुरुवार को संवाद ऑडिटोरियम, छत्तीसगढ़ से स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की वर्तमान स्थिति, विगत 2 वर्षों की उपलब्धियां, आगामी 3 वर्षों की कार्ययोजना तथा फाइलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन (एमडीए) कार्यक्रम की जानकारी दी गई। इस अवसर पर सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग छत्तीसगढ़, आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा सह प्रबंध संचालक सीजीएमएससी, मिशन संचालक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन छत्तीसगढ़, संचालक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग, छतीसगढ़, संचालक संचालनालय आयुष विभाग, स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि एवं डेवलपमेंट पार्टनर्स उपस्थित रहे।

प्रेसवार्ता के दौरान स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, नई योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, टीबी मुक्त भारत अभियान तथा फाइलेरिया उन्मूलन हेतु सामूहिक दवा सेवन (मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन) कार्यक्रम को गति देने पर विशेष जोर दिया गया।

दुर्ग नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित में डायरेक्टर पद का चुनाव

- सामान्य ग्रुप से 6 प्रत्याशी महिला वर्ग से 2,और पिछड़ा वर्ग से 1 कूल 9 प्रत्याशियों का चयन

श्री श्रीपाल कोठारी

श्री अरविन्द चंद्र सुराना

दुर्ग (विश्व परिवार)। दुर्ग नागरिक सहकारी बैंक मर्यादित डायरेक्टर पद के चुनाव नाम वापसी के दिवस दो प्रत्याशी के द्वारा नाम वापस लेने के पश्चात सामान्य ग्रुप से 6 प्रत्याशी महिला वर्ग से 2,और पिछड़ा वर्ग से 1 कूल 9 प्रत्याशियों का चयन निर्वाचित प्रत्यय युक्त द सदस्य शनिवार 14 फरवरी को मतदान स्थल पर मतदान कर चुने गए संजय बोहरा ने बताया नाम वापसी पक्ष एससी एसटी वर्ग से श्रीमती वसुंधरा चोरे का एकमात्र नाम होना पर और लेखाकार वर्ग से दो पद हेतु सिर्फ दो नाम होने पर निर्वाचन अधिकारी ने तीनों प्रत्याशी को संचालक मंडल का सदस्य नियुक्त कर दिया लेखाकार वर्ग से की श्रीपाल कोठारी, और का अरविंद सुराणा के निर्विरोध निर्वाचन होने पर कमल नारायण रुंगटा पैनल के निवृत्तिमान अर्थात पूर्व अध्यक्ष कमल नारायण रुंगटा ,मनोज ताम्रकार ,संजय सिंह ,तेज बहादुर , पवन बढ़जाते , ज्ञानेश्वर ताम्रकार,अखिलेश मिश्रा संजय बोहरा , नारायण शर्मा थानेश्वर ठाकुर आदि ने बधाई दी।

निशुल्क ओपीडी का आयोजन मरीजों मिल रही बड़ी राहत

रायपुर। राजधानी रायपुर में इन दिनों शहर के अनेक चिकित्सा संस्थानों द्वारा निशुल्क ओपीडी का आयोजन कर मरीजों को बड़ी राहत दी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त कड़ी में श्री बालाजी हास्पिटल मोवा, इट्सा हास्पिटल मोवा, होराइजन हास्पिटल जल विहार कालोनी, लाइफलाइन हास्पिटल तेलीबांधा उर्मिला हास्पिटल भाठागांव, श्रीमेडिसाइन हास्पिटल राजेंद्र नगर, संजीवनी हास्पिटल दावड़ा कालोनी सहित मरीजों को सप्ताह के विभिन्न दिनों में सुबह दस बजे से शाम चार बजे के बीच ओपीडी में निशुल्क जांच कर चिकित्सकों द्वारा उचित मार्गदर्शन दिया जा रहा है। वहीं उक्त चिकित्सा संस्थानों में ओपीडी इंवेस्टिगेशन में 50 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। होराइजन हास्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. पंकज द्विवेदी के अनुसार वे प्रति शनिवार सुबह दस बजे से शाम चार बजे के मध्य निशुल्क ओपीडी का आयोजन अस्थि मरीजों के लिए लंबे समय से आयोजित कर रहे हैं। विभिन्न संस्थाओं में डॉ. द्विवेदी के अनुभवों का लाभ लेने के लिए वेबीनार का आयोजन भी किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
निविदा सूचना
निविदा सूचना क्रमांक-WRSR-25-26-OT-Wagon Paint, दिनांक 02/02/2026
कार्य का नाम- पूरे वैगन की बॉडी, अंडर-फ्रेम और वैगन के संबद्ध घटक की [illegible], सफाई और पेंटिंग के साथ-साथ लेटरिंग और स्टेंसिलिंग। अनुमानित निविदा मूल्य- रुपये 1,87,05,456.00 (रुपये एक करोड़ सत्तासी लाख पांच हजार चार सौ छप्पन मात्र) @18% जीएसटी सहित।
[illegible] अवधि- संलग्नक के अनुसार 36 (छत्तीस) माह की अवधि के लिए। बयाना राशि (रु)- रु. 2,43,500.00/- (रुपये दो लाख तैतालीस हजार पांच सौ मात्र), निविदा प्रपत्रों की लागत (रु.)- शून्य, निविदा समाप्ति तिथि और समय- 05/03/2026, 15:00 बजे, बिड प्रारंभ की तारीख- 19/02/2026, पात्रता मापदंड- वेबसाइट पर देखा जा सकता है।
इस निविदा के विरुद्ध मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नही किया जाएगा। निविदा का पूर्ण विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
[illegible]
South East Central Railway @secrail

एनटीपीसी लारा की कौशल विकास पहलः स्थानीय युवाओं के लिए रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण की नई शुरुआत

रायगढ़ (विश्व परिवार)। राष्ट्र निर्माण की दिशा में कौशल विकास को एक सशक्त माध्यम के रूप में स्थापित करते हुए एनटीपीसी लारा, जिला रायगढ़ ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) पहल के अंतर्गत स्थानीय बेरोजगार युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस क्रम में एनटीपीसी लारा द्वारा गुरुवार को युवाओं के पहले बैच को रोजगारोन्मुख व्यावसायिक प्रशिक्षण हेतु सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीआईपीईटी), कोरबा के लिए रवाना किया गया।

प्रशासनिक परिसर में आयोजित कार्यक्रम में इस पहल को औपचारिक रूप से श्री सुभाष ठाकुर, परियोजना प्रमुख, एनटीपीसी लारा द्वारा हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर श्री केशव चंद्र सिंघा रॉय, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री हेमंत पावगी, महाप्रबंधक (परियोजना), श्री जाकिर खान, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन), श्री मनीष कुमार, अपर महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएं) सहित एनटीपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, प्रशिक्षुओं के अभिभावक एवं चयनित युवा उपस्थित रहे। तीन माह की अवधि का यह गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, कोरबा में असिस्टेंट मशीन ऑपरेटर ङ्क इंजेक्शन मोल्डिंग ट्रेड में संचालित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य युवाओं को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक एवं रोजगारपरक कौशल प्रदान करना है, जिससे वे शिक्षा और रोजगार के बीच की खाई को पाटते हुए आत्मनिर्भर बन सकें तथा औद्योगिक क्षेत्र में प्रभावी योगदान दे सकें।

असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर के खिलाफ एनएसयूआई का प्रदर्शन

रायपुर (विश्व परिवा)। एनएसयूआई ने आज तहसील कार्यालय परिसर में असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम के खिलाफ प्रदर्शन किया। ह्रस्ढ्ढ का आरोप है कि असिस्टेंट ड्रग कंट्रोलर संजय नेताम को टैन कैफे में नकली दवाइयों के कारोबारियों के साथ कथित तौर पर सांठ-गांठ करते हुए देखा गया है, जिसका वीडियो भी सामने आया है। एनएसयूआई का कहना है कि इतने गंभीर आरोप और सबूत सामने आने के बावजूद अब तक उनके खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। प्रदर्शन के दौरान एनएसयूआई के नेताओं ने भ्रष्टाचार और नकली दवाइयों के कारोबार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और प्रशासन से तत्काल जांच कर सख्त कार्रवाई की मांग की। एनएसयूआई नेताओं ने कहा कि नकली दवाइयों का व्यापार सीधे तौर पर आम जनता की जान से खिलवाड़ है।

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO LTD
(A Government of Chhattisgarh Undertaking) CIN-U40108CT2003SGC015820 GSTIN-22AADCC5773E1ZX
OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (TRANS.) QTR. NO.-C-08/11, FIRST FLOOR, DANGANIYA, RAIPUR (C.G.) -492 013
Website- www.cspc.co.in e-mail: - cetrans.raipur@cspc.co.in Ph.No. 0771-2574411,4450

No.02-19/Tender/P-120/1407 Raipur, Dtd: 06.02.2026

NOTICE INVITING TENDER (Through e-bidding in SAP SRM System)

Sealed tenders are invited from eligible bidders for following work:-:-

Sl.	Tender No.	Particulars of works	E.M.D. (in Rs.)	Due date of opening
1	02-19/ Tender/ P-120/1407 dtd. 06.02.2026 RFx No.-8100049381	Awarding job work for detailed health assessment & audit/analysis of earthing system of 400/220KV bays based on latest relevant standard and detailed recommendation with optimal solution at 400 KV S/s Dn CSPTCL Raita & bhilai	Rs. 19,500/-	27.02.2026 14:30Hrs.

Note: Other terms & condition, details etc. regarding tender can be seen on our website www.cspc.co.in
Executive Director (Trans.)
CSPTCL: Raipur (C.G.)
SAVE ELECTRICITY samvad- 46823/3

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, शनिवार 7 फरवरी 2026

छत्तीसगढ़ निषाद समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन 8 को

रायपुर(विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ निषाद (केंवट) समाज द्वारा महाराज श्री गुहाश्री निषाद राज के आशीर्वाद से फुंडहर स्थित वीआईपी रोड खेल मैदान में निषाद समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे के मध्य आयोजित किया गया है। उक्त समारोह में सुबह 10 बजे पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया है साथ ही आदर्श सामुहिक विवाद समाज के सदस्यों की उपस्थिति में सम्पन्न होगा।

स्वीकृत विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश

स्थानीय जरूरतों और जन आकांक्षा के अनुरूप स्वीकृत होंगे विकास कार्यः सीएम साय

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण की प्रथम बैठक जिला मुख्यालय दुर्ग स्थित लोक निर्माण विभाग के सभाकक्ष में संपन्न हुई। बैठक में प्राधिकरण के अंतर्गत स्वीकृत प्रमुख विकास कार्यों, प्राधिकरण मद से निर्माणाधीन कार्यों के अनुमोदन, प्रावधानित बजट तथा नवीन स्वीकृत कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के पिछड़ा वर्ग समुदाय के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक उत्थान हेतु संचालित योजनाओं की प्रगति का आकलन करना तथा भावी विकास रणनीतियों का निर्धारण करना था, ताकि विकास

का लाभ वास्तविक हितग्राहियों तक प्रभावी रूप से पहुँच सके।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्राधिकरण के अंतर्गत संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा करते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वीकृत बजट का समय पर एवं पूर्ण उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों का लाभ सीधे आमजन तक पहुँचना चाहिए और इसके लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी आवश्यक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले के अंतर्गत स्वीकृत सभी विकास कार्यों, सेवाओं एवं कार्यक्रमों का बेहतर संचालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से निर्देश दिए कि अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्रों के हित को प्राथमिकता में रखते हुए सभी स्वीकृत निर्माण कार्यों को अविलंब पूर्ण किया जाए। बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2020-21 से लेकर वित्तीय वर्ष 2024-25 तक स्वीकृत निर्माण एवं विकास कार्यों की जिलेवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्रगति की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने ऐसे विकास कार्य जो अब तक अप्रारंभ हैं अथवा प्रगतिरत हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए दो माह की समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला कलेक्टरों से प्रत्यक्ष संवाद कर कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने पर जोर दिया।

बैठक में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े, अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, स्कूल शिक्षा मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर सहित अन्य विधायकगण एवं अन्य जनप्रतिनिधि, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव बसवराजू एस, शासन के विभिन्न विभागों के सचिव, आईजी, कमिश्नर, कलेक्टर एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में सुशासन और अंत्योदय का संकल्प हो रहा सिद्ध : देव

- किरण देव ने कहा- छत्तीसगढ़ ने रचा इतिहास, 10 माह में 5 लाख पीएम आवास बनाकर स्थापित किया राष्ट्रीय कीर्तिमान

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने छत्तीसगढ़ की प्रदेश भाजपा सरकार द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत मात्र 10 माह 4 दिनों की अल्पावधि में 5 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण कर देश में सर्वाधिक आवास बनाने का राष्ट्रीय कीर्तिमान स्थापित करने पर राज्य सरकार को बधाई दी है। श्री देव ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रभावी नेतृत्व की बड़ी उपलब्धि बताया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार ने औसतन 1600 से अधिक आवास प्रतिदिन बनाकर देश में एक नई मिसाल कायम की है। यह उपलब्धि इसलिए भी विशेष है क्योंकि योजना के प्रारंभ से अब तक पहली बार छत्तीसगढ़ ने किसी एक वित्तीय वर्ष में इतनी बड़ी संख्या में गरीबों के सिर पर छत सुनिश्चित की है। यह राज्य सरकार की स्पष्ट नीति, प्रशासनिक समन्वय और जमीनी स्तर पर समर्पित कर्मचारियों की मेहनत का सुखद परिणाम है। श्री देव ने प्रधानमंत्री आवास योजना में जिलों और जनपदों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए बताया कि बिलासपुर जिले में 29,235 आवास, महासमुंद जिले में 27,224 आवास, बलरामपुर जिले में 27,012 आवास, कोरबा जिले में 26,839 आवास और रायगढ़ जिले में 26,707 आवास बनाए गए, वहीं मस्तूरी, आरंग, डभरा, बिल्हा, पाली और जैजैपुर जैसी जनपद पंचायतों का उल्लेखनीय योगदान भी प्रशंसनीय रहा।

अब व्हाट्स एप पर भेजा जाएगा बिजली बिल

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को अब उनके व्हाट्स एप नंबर पर बिल भेजा जाएगा। वे इस बिल का पीडीएफ डाउनलोड करके सुरक्षित रख सकेंगे, उसका प्रिंट भी निकाल सकेंगे। इसमें उन्हें एक क्लिक करके बिल भुगतान की सुविधा भी मिलेगी। यह व्हाट्स एप मैसेज छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के आफिसियल वेरीफाइड आईडी से भेजी जाएगी, जिसमें अधिकृत ब्लूटिक लगी रहेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं ऊर्जा सचिव व डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव के निर्देशन में पॉवर कंपनी ,उपभोक्ताओं की सुविधाओं में लगातार वृद्धि कर रही है। इसी कड़ी में व्हाट्सएप

सुविधा शुरु कर दी गई है। प्रदेश में 65 लाख उपभोक्ता हैं, जिसमें से 40 लाख उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर कंपनी में रजिस्टर्ड हैं। उनमें से 30 लाख उपभोक्ता व्हाट्सएप उपयोग कर रहे हैं। पॉवर कंपनी इस सुविधा का लाभ लेते हुए उपभोक्ताओं तक व्हाट्सएप के माध्यम से बिजली बिल भेजेगी। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में मीटर रीडिंग के समय उपभोक्ता को घर पर बिल की प्रति प्रदान की जाती है साथ ही एसएमएस से भी बिल की सूचना भेजी जा रही है। अब इसमें एक और बड़ी सुविधा प्रदान की जा रही है। उपभोक्ताओं को रीडिंग दर्ज होने के बाद व्हाट्सएप पर मैसेज पहुंच जाएगा।

एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से बड़े पैमाने पर नाम विलोपन की साजिश,लोकतंत्र पर हमला : धनेन्द्र

रायपुर (विश्व परिवार)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू ने राजीव भवन में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि आज हम एक अत्यंत गंभीर चिंताजनक और लोकतंत्र की जड़ों को हिला देने वाले विषय को लेकर आपके समक्ष उपस्थित हुए हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश में वर्तमान में चल रहे एसआईआर के नाम पर मतदाता सूची से लाखों मतदाताओं को वंचित करने की साजिश सामने आ रही है।

एसआईआर की प्रक्रिया को जानबूझकर इतना जटिल उलझाऊ और तकनीकी बना दिया गया है कि आम नागरिक विशेषकर गरीब अल्पसंख्यक ग्रामीण बुजुर्ग और

कमजोर वर्ग के लोग इसे समझ ही नहीं पा रहे हैं। इसका प्रत्यक्ष परिणाम यह हो रहा है कि बड़े पैमाने पर षडयंत्रपूर्वक मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से काटे जा रहे हैं जिससे वे अपने संवैधानिक अधिकार, मतदान से वंचित हो जाएंगे। लोक सभा के विपक्ष के नेता राहुल गांधी के द्वारा विगत कई महिनों से वोट चोरी की आवाज उठाया जा रहा है। जिसे प्रमाण सहित साबित भी कर रहे है। निर्वाचन आयोग और भारत शासन अपने रवैये में सुधार नहीं कर रही है और एसआईआर के माध्यम से जिन-जिन प्रदेशो में हो रहा है।

होली पर्व के अवसर पर गोंदिया से छपरा के लिए 2 स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

रायपुर (विश्व परिवार)। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा होली पर्व के अवसर पर गोंदिया से छपरा के लिए स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है । होली के दौरान ट्रेनों में होने वाली अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने और यात्रियों को सुगम यात्रा प्रदान करने के लिए ये स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं ।

इन स्पेशल ट्रेनों में निम्नलिखित ट्रेन शामिल है ;- (1) गाड़ी संख्या (08863/08864) गोंदिया-छपरा-गोंदिया (एक फेरे के लिए) होली स्पेशल , (2) गाड़ी संख्या (08865/08866) गोंदिया-छपरा-गोंदिया (एक फेरे के लिए) होली स्पेशल इन स्पेशल ट्रेनों की विस्तृत समय-सारणी इस प्रकार है- 1. गाड़ी संख्या (08863/08864) गोंदिया-छपरा-गोंदिया (एक फेरे के लिए) होली स्पेशल। यह ट्रेन गोंदिया एवं छपरा के मध्य एक फेरे के लिए संचालित की जाएगी। 08863 गोंदिया-छपरा होली स्पेशल - 01 मार्च, 2026 को गोंदिया से 17:00 बजे रवाना होकर 18:00 बजे डोंगरगढ़, 18:26 बजे राजनंदगांव, 19:20 बजे दुर्ग 20:05 बजे रायपुर, 20:55 बजे भाटापारा, 20:15 बजे उसलापुर, 23:41 बजे पेंड्रा रोड, 00:20 बजे अनूपपुर, 00:55 बजे शहडोल, 2:08 बजे उमरिया, 4:35 बजे कटनी 6:05 बजे सतना।

सरकार का कांच की जगह प्लास्टिक बोतल में शराब बिक्री का फैसला

- छत्तीसगढ़ बॉटलिंग संगठन ने जताया विरोध

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में शराब नीति को लेकर एक साथ कई बड़े बदलाव सामने आए हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने शराब पर संशोधित आबकारी ड्यूटी की अधिसूचना जारी कर दी है। इस अधिसूचना के अनुसार नई दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगी।

मिली जानकारी के अनुसार सरकार के इस फैसले का असर सीधे आम उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ेगा। नई ड्यूटी संरचना के तहत विदेशी शराब पर टैक्स को रिटेल सेल प्राइस यानी बाजार मूल्य के स्लैब से जोड़ा गया है। वहीं देसी शराब, बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों पर भी अतिरिक्त टैक्स लगाया गया है। कांच की जगह प्लास्टिक बोतल लाने के निर्णय से रायपुर में छत्तीसगढ़ बॉटलिंग संगठन के द्वारा प्रेससवार्ता राजधानी स्थित प्रेस क्लब में ली गई। छत्तीसगढ़ बॉटलिंग संगठन के पदाधिकारियों ने कहा की कांच की बोतलें रिसाइकिल होकर दोबारा इस्तेमाल होती हैं, जिससे पर्यावरण को कम नुकसान होता है। वहीं प्लास्टिक बोतलें पर्यावरण प्रदूषण को बढ़ा सकती हैं। साथ ही, कांच की बोतलों से जुड़े कामगारों और बोतल बीनने वालों की रोजी-रोटी पर सीधा असर पड़ेगा। एक तरफ जहां सरकार राजस्व बढ़ाने और लागत घटाने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर सामाजिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य से जुड़े सवाल लगातार उठ रहे हैं।

भाजपा कार्यालय में कार्यकर्ताओं के आवेदनों का हो रहा निराकरण

- शुक्रवार को सहयोग केन्द्र में 53 आवेदक मिले*

रायपुर (विश्व परिवार)। भाजपा प्रदेश कार्यालय कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में सहयोग केंद्र में आज 80 से अधिक विषयों से संबंधित 53 आवेदन प्राप्त हुए। सहयोग केन्द्र में आज कैबिनेट मंत्री दयालदास बघेल ने कार्यकर्ताओं से भेंट मुलाकात कर उनके आवेदनों का निराकरण किया। इस दौरान सहयोग केंद्र में लगभग 200 लोग पहुंचे। आज विभिन्न विकास से जुड़े अधिक विषय के आवेदन आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश आवेदनों का तत्काल निराकरण भी किया गया। इस दौरान सहयोग केंद्र में प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती रंजना साहू, सहयोग केंद्र प्रभारी सच्चिदानंद उपासने एवं प्रदेश कार्यालय मंत्री अशोक बजाज मौजूद रहे।

छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर प्रगति

- 7,470 करोड़ का बजट अनुदान, 51,080 करोड़ की रेल परियोजनाएँ प्रगति पर।

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ राज्य में रेल अधोसंरचना के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण को निरंतर गति प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा वर्ष 2026-27 के लिए राज्य को ?7,470 करोड़ का बजट अनुदान प्रदान किया गया है। इस अनुदान के माध्यम से राज्य में रेल संपर्क को मजबूत करने, यात्री सुविधाओं में सुधार, माल परिवहन क्षमता बढ़ाने तथा सुरक्षा मानकों को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न

विकासात्मक कार्य किए जा रहे हैं।

वर्तमान में छत्तीसगढ़ राज्य में ?51,080 करोड़ की लागत की रेल परियोजनाएँ विभिन्न चरणों में प्रगति पर हैं। इन परियोजनाओं के अंतर्गत नई रेल लाइनों का निर्माण, अतिरिक्त लाइनों का विकास, स्टेशनों का पुनर्विकास, रेल संरक्षा कार्य तथा आधुनिक तकनीक आधारित अवसंरचना का विकास किया जा रहा है, जिससे राज्य के औद्योगिक, सामाजिक एवं आर्थिक विकास को निरंतर बल मिल रहा है। वर्तमान में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में संचालित प्रमुख रेल परियोजनाओं में बिलासपुरङ्झारसुगुड़ा चौथी लाइन परियोजना शामिल है, जिसकी कुल लंबाई 206 किलोमीटर तथा लागत ?2,135.34 करोड़ है। इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 175 किलोमीटर से अधिक चौथी रेल लाइन का कार्य पूर्ण किया जा चुका है, जिससे इस व्यस्त रेलखंड पर परिचालन क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बिलासपुर-नागपुर रेल खंड पर बिलासपुर से गोंदिया के बीच विभिन्न खंडों (पैचों) में चौथी रेल लाइन का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। दल्लीराझरा-रावघाट नई रेल लाइन परियोजना, जिसकी कुल लंबाई 95 किलोमीटर एवं लागत ?16,275.56 करोड़ है, के अंतर्गत 77.35 किलोमीटर नई रेल लाइन का निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। यह परियोजना विशेष रूप से दुर्गम एवं आदिवासी क्षेत्रों को रेल नेटवर्क से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354